जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, रविवार 21 सितम्बर, 2025

KEDIA

सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

बड़ी-बड़ी कोठी

छोटी-छोटी प्राइस में

सिर्फ 4700/- Sq Ft

पजेशन पर 10 लाख प्राइस बढ़ेगी !

पजेशन: 31 दिसम्बर 2025

FIXED PRICE GUARANTEED

FIXED PRICE & RENTAL

NO MIDDLE-MEN

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

अकेलापन कई बार अपने आप से सार्थक बातें करता है। वैसी सार्थकता भीड़ में या भीड़ के चिंतन में नहीं मिलती। –राजेंद्र अवस्थी

वनों की प्रतिरोधक क्षमता के लिए प्राकृतिक जलवायु समाधान अपरिहार्य है

वन प्रतिरोधक क्षमता का तात्पर्य है कि वन किस हद तक प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन और मानव गतिविधियों के प्रभावों से उबर सकते हैं। यह क्षमता उन वनों को परिभाषित करती है जो संकटों का सामना कर पुनः अपनी पारिस्थितिकीय स्थिति को बनाए रखते हैं। प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न मानदंडों का उपयोग किया जाता है जैसे जैव विविधता, वनस्पति संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं। प्रतिरोधक क्षमता वाले उष्णकटिबंधीय वन वे हैं जो प्राकृतिक आपदाओं जैसे तूफान, सूखा, आग आदि के बाद भी तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। इसके उदाहरण के रूप में अमेज़न वर्षावन को देखा जा सकता है जो कई दशकों से कई प्रकार के संकटों का सामना करते हुए भी अपने जैव विविधता को बनाए रखने में सक्षम रहे हैं। इन वनों की पहचान करने के लिए वैज्ञानिक विभिन्न संकेतकों का उपयोग करते हैं जैसे वनस्पति का घनत्व, प्रजातियों की विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की कार्यक्षमता।

वन प्रतिरोधक क्षमता का महत्व कई कारणों से है। सबसे पहले, यह वन संरक्षण में सहायक होती है। प्रतिरोधक वनों का संरक्षण करने से अन्य वनों की तुलना में इनकी जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखना आसान होता है। वन बहाली में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि प्रतिरोधक वनों को बहाल करने के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और यह तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। प्रतिरोधक वनों का महत्व कई पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए भी होता है। ये वन जल चक्र को संतुलित रखते हैं, मिट्टी के क्षरण को रोकते हैं और स्थानीय जलवायु को नियंत्रित करते हैं। इसके साथ ही, प्रतिरोधक वनों में फूलों और जीवों की विविधता अधिक होती है, जिससे जैव विविधता को संरक्षित करने में मदद मिलती है। कार्बन अवशोषण में भी प्रतिरोधक वनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ये वन अधिक कार्बन को अवशोषित कर वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है। इस प्रकार, प्रतिरोधक वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु समाधान के रूप में महत्वपूर्ण है।

स्थिरता की दृष्टि से भी प्रतिरोधक वन महत्वपूर्ण होते हैं। ये वन न केवल पर्यावरण को संरक्षित करते हैं बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी समर्थन प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण-पूर्व एशिया के वन स्थानीय समुदायों को खाद्य, जल और औषधीय पौधों की आपूर्ति करते हैं। इसके अलावा, पर्यटन के माध्यम से भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण होती है। वे वन संरक्षण और बहाली में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

वनों और वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बचाना एक प्राकृतिक जलवायु समाधान है। ये वन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा, ये स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी समर्थन प्रदान करते हैं। इसलिए, इन वनों का संरक्षण और बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है। उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। वन संरक्षण और बहाली के लिए नीतियों का निर्माण और उनका कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके साथ ही, पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे लोग वनों के महत्व को समझ सकें और उनके संरक्षण में भाग ले सकें। इस प्रकार, हम एक स्थायी और संतुलित पर्यावरण की ओर बढ़ सकते हैं, जिसमें वनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

वन प्रतिरोधक क्षमता, जिसे पारिस्थितिक प्रतिरोधक क्षमता के रूप में भी समझा जाता है, वन पारिस्थितिक तंत्र की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। यह वन पारिस्थितिकी तंत्र की उस क्षमता को दर्शाती है जो उसे प्राकृतिक और मानवजनित खतरों से उबरने में सक्षम बनाती है। जैसा कि पहले कहा गया है, इसमें तूफान, सूखा, आग, कीट संक्रमण और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं। प्रतिरोधक क्षमता के बिना, वन पारिस्थितिकी तंत्र इन खतरों के सामने अस्थिर हो सकते हैं और अपनी पारिस्थितिकीय कार्यक्षमताओं को खो सकते हैं। उदाहरण के लिए, अमेज़न के वर्षावन जो कि विश्व के सबसे बड़े उष्णकटिबंधीय वनों में से एक है,ने कई प्राकृतिक और मानवजनित खतरों का सामना किया है। इसके बावजूद, अपनी जैव विविधता को संरक्षित रखा है और यही इसकी उच्च प्रतिरोधक क्षमता का संकेत है।

प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक मानदंडों का उपयोग किया जाता है। इनमें जैव विविधता, वनस्पति संरचना, और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं शामिल हैं। जैव विविधता प्रतिरोधक क्षमता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है क्योंकि विविध प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। वनस्पति संरचना भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एक सुसंगठित वन संरचना पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और कार्यक्षमता को बनाए रखने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, एक अध्ययन ने दिखाया कि उच्च जैव विविधता वाले वन सूखा के प्रभावों से तेजी से उबरते हैं।

अध्ययन बताते हैं कि प्रतिरोधक क्षमता की हानि आमतौर पर वैकल्पिक स्थिति की ओर ले जाती है। इसका मतलब है कि ऐसे पारिस्थितिक तंत्रों के सतत प्रबंधन की रणनीतियों को प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने पर केंद्रित होना चाहिए। प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देना न केवल पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और जैव विविधता को बनाए रखेगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को सुरक्षित रखने में भी मदद करेगा।

प्रतिरोधक वनों का संरक्षण वन पारिस्थितिकी तंत्र के स्थायित्व को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। यह संरक्षण न केवल जैव विविधता को बनाए रखता है बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को भी बनाए रखता है जो मानव जीवन के लिए आवश्यक हैं। वन बहाली के संदर्भ में, प्रतिरोधक वनों को बहाल करने के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और ये तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जब हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की बात करते हैं। एक उदाहरण के रूप में, मध्य अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में वन बहाली परियोजनाओं ने दिखाया है कि उच्च प्रतिरोधकता वाले वन तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं और अधिक कार्बन का अवशोषण करते हैं।

कार्बन अवशोषण की दृष्टि से, प्रतिरोधक वन जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये वन अधिक मात्रा में कार्बन को अवशोषित करते हैं और इसे दीर्घकालिक रूप से संग्रहीत करते हैं। यह कार्बन अवशोषण प्रक्रिया वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने में मदद करती है, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का प्रभाव कम होता है। एक अध्ययन के अनुसार, उष्णकटिबंधीय वनों में कार्बन संग्रहण की क्षमता उच्च होती है, विशेषकर जब वे उच्च जैव विविधता वाले होते हैं। इस प्रकार, प्रतिरोधक वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु परिवर्तन को कम करने में एक महत्वपूर्ण रणनीति है।

स्थानीय समुदायों की आजीविका के संदर्भ में भी प्रतिरोधक वनों का महत्व अनदेखा नहीं किया जा सकता है। ये वन स्थानीय समुदायों को खाद्य, जल, और औषधीय पौधों की आपूर्ति करते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण-पूर्व एशिया के वनों में रहने वाले समुदाय अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर होते हैं। इसके अलावा, पर्यटन भी इन वनों से जुड़ा हुआ है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है। प्रतिरोधक वनों का संरक्षण स्थानीय समुदायों को स्थायी आर्थिक लाभ प्रदान कर सकता है।

उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। तीसरा तरीका है स्थानीय समुदायों की भागीदारी को बढ़ावा देना। स्थानीय समुदाय वन संरक्षण और बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम चलाना महत्वपूर्ण है ताकि लोग वनों के महत्व को समझ सकें और उनके संरक्षण में सक्रिय भाग ले सकें।

अंत में, उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। वन संरक्षण और बहाली के लिए नीतियों का निर्माण और उनका कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके साथ ही, पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे लोग वनों के महत्व कोसमझ सकें और उनके संरक्षण में भाग ले सकें। इस प्रकार, हम एक स्थायी और संतुलित पर्यावरण की ओर बढ़ सकते हैं, जिसमें वनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

वन प्रतिरोधक क्षमता एक महत्वपूर्ण अवधारणा है जो वन पारिस्थितिक तंत्र की दीर्घकालिक स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। प्रतिरोधक क्षमता का महत्व न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी है। जैव विविधता, वनस्पति संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रतिरोधक क्षमता के मुख्य घटक हैं। उष्णकटिबंधीय वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु परिवर्तन को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को समर्थन प्रदान करने में महत्वपूर्ण है। सामूहिक प्रयासों और नीतियों के माध्यम से हम उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं और एक स्थायी भविष्य की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

वन प्रतिरोधक क्षमता उष्णकटिबंधीय वन पारिस्थितिक तंत्र में विनाशकारी परिवर्तनों से बचाव कर सकती है। परिवर्तन सामान्य है, लेकिन यह अचानक और कठोर विपरीत स्थिति में परिवर्तित हो सकता है। हालांकि विभिन्न घटनाएँ ऐसे परिवर्तनों को उत्प्रेरित कर सकती हैं, अध्ययन बताते हैं कि प्रतिरोधक क्षमता की हानि आमतौर पर वैकल्पिक स्थिति की ओर ले जाती है। इसका मतलब है कि ऐसे पारिस्थितिक तंत्रों के सतत प्रबंधन की रणनीतियों को प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने पर केंद्रित होना चाहिए। प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देना न केवल पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और जैव विविधता को बनाए रखेगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को सुरक्षित रखने में भी मदद करेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

अब तो पक्की है राजस्थानी भाषा को मान्यता

राजेन्द्र जोशी

राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिए जाने का मन जापान की धरती पर प्रधानमंत्री ने बना लिया होगा। राजस्थानी संस्कृति एवं भाषा की झलक पिछले दिनों प्रधानमंत्री कि जापान यात्रा के दौरान खुद उन्होंने देखी। प्रधानमंत्री के स्वागत के दौरान स्थानीय कलाकारों ने प्रधानमंत्री के सामने, प्रधानमंत्री के आग्रह पर जब प्रस्तुति दी तो संभवत हमारे प्रधानमंत्री को यह अहसास हो गया होगा कि भारतीय भाषाओं में राजस्थानी भाषा का फलक कितना बड़ा है। राजस्थानी भाषा दुनिया के लगभग सभी देशों में बोली और समझी जाने के अतिरिक्त वहां की संस्कृति में स्थान बना चुकी है।

आधुनिक काल में राजस्थानी भाषा- संस्कृति की गूंज सीमाओं के पार सुनाई और स्पष्ट दिखाई देती हैं।

राजस्थानी भाषा के लिए हमारा वह दावा उस समय सच साबित हो गया। दुनिया-भर में बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली और समझने वाली राजस्थानी भाषा को लगभग 12 करोड लोग बोलते हैं। जिसे प्रधानमंत्री ने अपने स्वागत के दौरान खुद देख लिया। संविधान की आठवीं अनुसूची में राजस्थानी भाषा को शामिल करने के लिए अब प्रधानमंत्री को किसी फाइल अथवा साक्ष्य की जरूरत नहीं होनी चाहिए। विदेशी धरती पर जापानी कलाकारों ने जब स्वागत प्रारंभ किया और कलाकारों ने खुद को राजस्थानी मधु के नाम से परिचित कराया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया तब प्रधानमंत्री ने खुद उनसे पूछा कि क्या आप गा सकती हैं तो उन्होंने यह कहा कि हम राजस्थानी लोकगीत सुना सकते हैं, तो स्थानीय कलाकारो ने राजस्थानी लोक गीत सुनाया। भक्ति रस से डुबे जब प्रधानमंत्री के कानों में यह सुनाई दिया की "म्हारा सतगुरु आंगन आया रे मैं वारी जाऊं रे" राजस्थानी परंपरा में मेहमान कि भगवान से तुलना को जीवंत किया। यह गीत राजस्थान में इस गीत के माध्यम से अतिथि के घर आने से उन्हें देव तुल्य मानकर स्वागत सत्कार किया जाता है। और इस भावना को इस गीत में जापान की भूमि पर स्थानीय कलाकारों ने प्रधानमंत्री के स्वागत में गाया।

सात समंदर पार भी मीठी और अपनत्व की राजस्थानी भाषा भारत का डंका बजा रही है । उन जापानी कलाकारों को जब यह पता चलेगा कि जिस भाषा को हम बोल रहे हैं, उन लोकगीतों के माध्यम से हम आय अर्जित करते हैं उस भाषा को भारत में भी मान्यता नहीं है।

सच तो यह है की राजस्थान में कभी राज-काज की भाषा भी राजस्थानी रही है। आजादी के समय राजस्थानी भाषा ने अपना बलिदान देकर हिंदी के हित की बात की थी। भाषाएं लुप्त ना हो, भाषाएं लुप्त होती है तो संस्कृति बिगड़ जाती है। राजस्थानी भाषा और संस्कृति बहुत ही समर्थ भाषा रही है और आज भी हैं। राजस्थान के लगभग सभी विश्वविद्यालयों और सैकड़ो विद्यालयों में राजस्थानी पढ़ाई जाती हैं। दुनिया के अनेक विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा पढ़ाई जाती है। हिंदुस्तान के प्रत्येक राज्य और हर जिले में राजस्थानी बोलने वाला परिवार मिल जाएगा। राजस्थानी अब क्षेत्र विशेष की भाषा नहीं रही बल्कि पूरे हिंदुस्तान के साथ-साथ अब तो विश्व के प्रत्येक देश में आपका स्वागत सत्कार के लिए तैयार खड़ी है। मैं एक बार फिर प्रधानमंत्री से आग्रह करूंगा की राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु अध्यादेश जारी करावे।

मैं प्रधानमंत्री जी से आग्रह करता हूं कि आपको भ्रम में रखा जा रहा है और यह मिथ्या बात फैलाई जाती है कि राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता से हिंदी कमजोर होगी एवं अन्य प्रांतीय भाषाओं को मान्यता मिल जाती है तो हिंदी कमजोर होती जाएगी। जबकि आपने जापान में जो देखा, जापानी कलाकारों ने राजस्थानी भाषा और संस्कृति को कितना समद्ध किया है। राजस्थानी भाषा को मान्यता मिलती है तो हिंदी मजबूत होगी। प्रधानमंत्री देश-विदेश में करोड़ों लोग राजस्थानी को प्यार करते हैं । विदेशी धरती पर भी आपने देख लिया सुन लिया मुझे लगता है कि अब जाचने परखने की कतई जरूरत नहीं है, राजस्थानी जैसी जुनी भाषा को मान्यता नहीं देने का कोई तर्कसंगत मुद्दा सरकार या अन्य भाषाओं की वकालत करने वालों के पास बचा नहीं है। राजस्थानी भाषा हजार वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। देश को आज़ादी दिलाने में राजस्थानी भाषा के रचनाकारो का महत्वपूर्ण योगदान रेखांकित किया गया है। 1857 की क्रांति में राजस्थानी कवियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था। हम बात करें तो मरुस्थल के कवि शंकरदान सामौर ने राजस्थानी रचनाओं के माध्यम से अंग्रेजों को खुली चुनौती दी थी। ऐसे अनेक रचनाकार हुए हैं जिन्होंने आजादी की लड़ाई में राजस्थानी कविताओं, गीतों और राजस्थानी भाषा के दोहो के माध्यम से आजादी की लड़ाई में अद्वितीय योगदान दिया था। भारत को आजाद कराने में राजस्थानी भाषा के महत्वपूर्ण योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

देश को अंग्रेजी शासन से मुक्त कराने हेतु शंकर दान सामौर जैसे क्रांतिकारी कवि सामौर 1857 में तन-मन-धन से शामिल होते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। युवा राजस्थानी कवि इस संघर्ष को वह पूरी तरह समझने लगे थे। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 1857 में उन्होंने कहा था कि यह अवसर बहुत महत्वपूर्ण है, देशवासियों को संबोधित करते हुए सामौर कहा कि यह अवसर छूट न जाए। भारत की आजादी के लिए अगर यह मौका छूट गया तो फिर से इस आंदोलन को खड़ा करना उतना ही मुश्किल होगा जैसे एक बार हिरण कूदने से छूट जाता है फिर संतुलन वापस नहीं आ सकता। **उन्होंने लिखा था:-**

"आयौ औसर आज, गरब गौरां रौ गाळण
आयौ औसर आज, रीत राखण हिंदवाणी
आयौ औसर आज, विकट रण खाग बजाणी
फाळ हिरण चूक्यां फटक, पाछौ फाळ न पावसी
आजाद हिन्द करवा अवर, औसर इस्यौ न आवसी।"

राजस्थानी भाषा का विपुल साहित्य है और इसका अपना शब्दकोश और विपुल मात्रा में समर्थ परंपरा के अनेक उदाहरण राजस्थानी भाषा की परंपरा में मिलेंगे।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

कामाख्या मंदिर: जहां सबकी मनोकामनाएं पूर्ण होती है

मिश्रीलाल पंवार

असम के गुवाहाटी शहर के पास नीलांचल पहाड़ियों पर स्थित कामाख्या माता मंदिर आज भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में अपनी विशेषताओं के प्रसिद्ध पहुंचा। भारत के इक्यावन शक्ति पीठों में शामिल इस मन्दिर पर आने वाले सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

हाल ही में राजस्थान के पत्रकारों का एक दल यहां मन्दिर के दर्शन को पहुंचा तथा इस शक्ति पीठ के आसपास के स्थलों का जायजा लिया। कामाख्या माता का यह मंदिर भारत में अपने आप में अनुठा मन्दिर है। यहां पर योनि की पूजा अर्चना की जाती है। यहां प्रतिदिन हजारों लाखों की संख्या में माता के भक्त दर्शन करने पहुंचते हैं। कहते हैं यहां माता आने वाले अपने सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करती है। इस मन्दिर के पीछे एक पौराणिक कथा जुड़ी हुई है। इसका उल्लेख शास्त्रों में मिलता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह 51 शक्ति पीठों में से एक है, जहाँ माँ सती की योनि का भाग गिरा था। कामाख्या मन्दिर इक्यावन शक्ति पीठों में से एक है, जो माता सती की योनि रूप की पूजा के लिए जाना जाता है। यह मंदिर गुवाहाटी शहर से लगभग 8 किलोमीटर दूर नीलांचल पहाड़ियों पर स्थित है। मंदिर के गर्भगृह में माँ सती की योनि रूप की पूजा की जाती है।

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार राजा दक्ष ने यज्ञ का आयोजन किया। उस यज्ञ में उन्होंने सभी देवी देवताओं को बुलाया मगर अपनी पुत्री सती और दामाद भगवान शिव को आमंत्रित नहीं किया। माता सती ने विचार किया कि मेरे पिताजी यज्ञ का इतना बड़ा आयोजन कर रहे हैं। सभी देवी देवताओं का आगमन होगा। उसका तो अपना पीहर है। इसलिए उसे यज्ञ में जरूर जाना चाहिए। भगवान शिव को माता सती ने मन की बात बताई तो भगवान शिव ने सती को पिता के इस यज्ञ में जाने से मना कर दिया। मगर भगवान शिव के मना करने के बाद भी माता सती उस यज्ञ में शामिल होने अपने पिता के यहां चली गई। वहां उनके पिता दक्ष ने बहुत अपमान किया। भगवान शिव के लिए अनुचित शब्दों का प्रयोग किया। यह अपमान माता सती सह न सकी और उन्होंने अग्नि कुंड में कूदकर आत्मदाह कर लिया।

जब यह बात भगवान शिव को पता चली तो वे क्रोधित हो गए। वह सती के मृत शरीर को उठाकर तांडव करने लगें। इससे धरती पर हाहाकार मच गया। पृथ्वी पर महाप्रलय की स्थिति बन गई। देवी-देवताओं में हड़कंप मच गया। किसी की भी समझ में नहीं आया कि भगवान शिव को कैसे शान्त किया जाए। सब ने मिल कर भगवान विष्णु से प्रार्थना की कि हे नाथ, किसी भी प्रकार से उस सृष्टि की रक्षा कीजिए। इस पर भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से मां सती के शरीर के कई टुकड़े कर दिए। माना जाता है कि धरती पर जहां-जहां माता सती के शरीर के टुकड़े गिरे, वहां वहां शक्तिपीठ स्थापना हो गई। इस प्रकार भारत में माता सती के कुल 51 शक्तिपीठों की स्थापना हुई।मान्यता है कि माता सती की योनी असम के नीलांचल पहाड़ी पर गिरी थी। माता के शरीर के अंग भारत के अलग-अलग स्थानों पर गिरे और वे सभी स्थल शक्ति पीठ के रूप में पूजे गए। चुंकि माता सती की यहां योनि गिरी थी, इसलिए इस मन्दिर पर योनि की पूजा की जाती है। यह मन्दिर अपनी इसी विशेषता के कारण भारत में ही नहीं, विश्व भर में प्रख्यात है। यहां हर वर्ष अंबुबाची मेला लगता है। मेले के दौरान, देवी अपने मासिक चक्र में होती हैं और इस अवधि में मंदिर बंद रहता है। तीन दिनों के बाद, एक सफेद कपड़ा जो गर्भगृह में बिछाया जाता है, लाल रंग का हो जाता है, जिसे भक्तों को प्रसाद के रूप में दिया जाता है।

कामाख्या मंदिर में दस महाविद्याओं के मंदिर एक ही परिसर में विराजमान हैं। पुरानी मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर तांत्रिक साधना का केंद्र रहा है। काले जादू को दूर करने के लिए की जाने वाली पूजा के लिए भी जाना जाता है। यहां दूर-दूर से भक्तजन दर्शन करने पहुंचते हैं। यहां के वार्षिक अंबुबाची मेले में स्त्री प्रजनन ऊर्जा का उत्सव मनाया जाता है। मंदिर के गर्भगृह में एक कुंड है, जिसमें से जल रिसाव होता है और मासिक धर्म के दौरान यह कुंड ढक दिया जाता है, और भक्तों को लाल कपड़े (अंबूवाची वस्त्र) प्रसाद के रूप में दिए जाते हैं। गोवाहाटी में ब्रह्मपुत्र के नदी के किनारे स्थित कामख्या शक्ति पीठ स्थल काला जादू के तांत्रिकों के आश्रय स्थल के रूप में भी पहचाना जाता है। यह तंत्र साधना का केंद्र है। अंधविश्वासी लोग अपनी मनौती पूरी होने पर पांडा, बकरा तथा कबूतर की यहां बलि देते हैं। आजकल यहां भी पैसे लेकर वीआईपी दर्शन कराने का कारोबार भी खूब फल-फूल रहा है। सामान्य दर्शन के लिए लंबी-लंबी कतारें लगती है। गोवाहाटी भारत के हर शहर से रेलमार्ग से जुड़ा है। इसलिए यहां पहुंचना बहुत ही सुविधाजनक हो गया है।

-मिश्रीलाल पंवार, जोधपुर,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

नेत्रहीन विष्णुराम के लिये रोशनी की किरण लेकर आया "ग्रामीण सेवा शिविर"

विष्णुराम को 20 वर्ष के बाद मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र मिले

- **घुमन्तू पहचान प्रमाण पत्र और घुमन्तु आवास योजना का भी लाभ मिला**
- **सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं पालनहार योजना से लाभान्वित करवाने का आश्वासन भी मिला**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्य के सभी जिलों की भांति श्रीगंगानगर जिले में आयोजित हो रहे ग्रामीण सेवा शिविरों में हाथों-हाथ आमजन की समस्याओं का समाधान हो रहा है। साथ ही उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मौके पर ही लाभ मिल रहा है।

घडसाना उपखण्ड की तहसील रावला के 7 केएनडी गांव में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर नेत्रहीन विष्णुराम के लिये रोशनी की किरण साबित हुआ। ग्राम पंचायत 7 केएनडी निवासी विष्णुराम गत 20 वर्षों से आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से वंचित था। उनके पड़ोसी भगवान ने जब उन्हें ग्रामीण सेवा शिविर के बारे में बताया तो विष्णुराम अपनी पत्नी तीजो देवी के साथ शिविर में अपनी फरियाद लेकर पहुंचा। इसी दौरान ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे उपखण्ड अधिकारी सुनील चौहान ने विष्णुराम को देखकर उनसे जानकारी ली। इस पर विष्णुराम ने अपनी व्यथा बताते हुए मदद का आग्रह किया। उपखण्ड अधिकारी ने तुरन्त प्रभाव से संबंधित विभागों से आवश्यक कार्यवाही करते हुए विष्णुराम को मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, घुमन्तू पहचान पत्र और घुमन्तु आवास योजना आवेदन का लाभ दिलाया। साथ ही उपखण्ड अधिकारी ने विष्णुराम को दीपावली से पूर्व सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं पालनहार योजना से लाभान्वित करवाने का आश्वासन भी दिया।

शिविर में एक साथ केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पाकर विष्णुराम और उनकी पत्नी तीजो देवी गदगद हो उठी। दोनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे। बेहद प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दम्पत्ती ने माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार नागौर जिले की खींवसर पंचायत समिति की पीपलिया ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में माधानियों की ढाणी निवासी हरीराम पुत्र गंगाराम जाट ने तहसीलदार सुरेश चौधरी के समक्ष उपस्थित होकर खातेदारी में अपने अशुद्ध नाम हरिया को लेकर पीड़ा व्यक्त की। तहसीलदार ने तुरंत प्रार्थी का प्रार्थना पत्र राजस्थान भू राजस्व अधिनियम- 1956 की धारा 136 के तहत पटवारी, भू अभिलेख निरीक्षक द्वारा तैयार करवाया और शुद्धि संबंधी औपचारिकता पूर्ण की गई। इस नाम शुद्धिकरण से खातेदार हरीराम को राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त करने में आसानी होगी। राजस्व दस्तावेजों में नाम शुद्धि होने पर खातेदार ने खुशी व्यक्त की और राज्य सरकार तथा प्रशासन का आभार जताया।

श्रीगंगानगर से पीआरओ अनिल कुमार शाक्य और नागौर से एपीआरओ अजीत सिंह।

राशिफल रविवार 21 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, रविवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र प्रातः 9:32 तक, शुभ योग सायं 7:53 तक, चतुष्पद करण दिन 12:50 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:58 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 9:32 से सूर्योदय तक है। आज देव पितृकार्य अमावस्या, सर्व पितृ श्राद्ध, सिंजा माता पूजन है। आज पितृपक्ष पूर्ण होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:44 से 9:19 तक, लाभ-अमृत 9:19 से 12:10 तक, शुभ 1:50 से 3:21 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:12

मेष

व्यक्तिगत/पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न दु:ख हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

वृष

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

कर्क

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्य सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह

मानसिक तनाव दूर होने लगेंगे। मन:स्थिति में सुधार होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। संभावित धन प्राप्त हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात आवश्यक कार्यों में भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

वृश्चिक

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मकर

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं रहेगा।

मीन

परिवार में चल रही स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 338 प्रभात कोटा, रविवार 21 सितम्बर, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ट्रंप ने भारतीय प्रोफैशनल्स पर सर्विस टैरिफ का भारी चपत धरा

पहले एच-1बी वीज़ा की एप्लीकेशन पर 1700 से 4500 डॉलर की फीस लगती थी, जो बढ़ाकर 100,000 डॉलर प्रति आवेदक हो गई, जो हर वर्ष लगेगी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितंबर। डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय प्रोफैशनल्स के अमेरिका जाकर काम करने पर सेवाओं के निर्यात शुल्क में 2250 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है।

अब तक, एच-1बी वीज़ा की आवेदन फीस प्रति आवेदन 1700 डॉलर से 4500 डॉलर होती थी। अब इसे बढ़ाकर प्रति आवेदक प्रति वर्ष 100,000 डॉलर कर दिया गया है। अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने कहा है कि कंपनियों को यह तय करना होगा कि क्या वे इतना दाम देकर किसी विदेशी कर्मचारी को नौकरी पर रखना चाहेंगी या किसी शिक्षित अमेरिकी को नौकरी देंगी।

रिपोर्टों के अनुसार, नया शुल्क 21 सितंबर से लागू होगा। इस तरह तत्काल प्रभाव से लागू होने के कारण यह कदम उस टैक्नॉलजी क्षेत्र में भारी उथल-पुथल मचा सकता है जो मुख्य रूप से इस सुविधा का उपयोग करता है। इनके अलावा, अमेरिकी स्वामित्व वाले छोटे व्यवसाय और स्टार्टअप भी सीधे तौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमेरिका के कॉमर्स सैक्रेटरी हारवर्ड लुटनिक ने इस नये सर्विस टैरिफ लगाने को सही ठहराते हुए तर्क दिया कि अब अमेरिकी कंपनियों को यह निर्णय लेना होगा कि इतनी भारी फीस देकर भारतीय आईटी प्रोफैशनल को रखना चाहिए या उनकी जगह किसी शिक्षित अमेरिकी नागरिक को नौकरी देना, ज्यादा अच्छा रहेगा।
- जैसा कि विदित ही है, एच-1बी वीज़ा उन विदेशी कर्मचारियों के लिए लेना अनिवार्य होता था जो अमेरिका के नागरिक नहीं थे। पर, अमेरिका में एच-1बी वीज़ा लेकर नौकरी कर रहे थे।
- अमेरिका के एच-1बी वीज़ा के कोटा का लगभग 70 प्रतिशत भारतीय प्रोफैशल्स के काम आता था, अब जानी मानी आईटी कंपनियां, जैसे टी.सी.एस., विप्रो, टैक महिन्द्रा, इन्फोसिस आदि को नई रणनीति बनानी होगी और प्रोफैशनल्स को विदेश भेजने का विकल्प छोड़कर भारत की भूमि पर काम करने की सुविधा प्रदान करनी होगी।
- तथा, अब भारत को भी जवाबी कार्यवाही करते हुए अमेरिका से आयातित सामान पर जवाबी टैरिफ लगाना होगा। बोइंग हवाई जहाज की जगह फ्रांस के एयरबस विमान को खरीदने का ऑर्डर देना होगा।

चपरासी भर्ती परीक्षा में नकल करने पर इंजीनियर छात्र गिरफ्तार

जयपुर, 20 सितम्बर। अशोक नगर थाना पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से कराई जा रही राजस्थान ग्रेड फोर्थ (चपरासी) भर्ती परीक्षा की पहली पारी में परीक्षा में नकल करते एक इंजीनियर छात्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी अभ्यर्थी स्मार्ट वॉच से चीटिंग कर रहा था। वॉट्सऐप के जरिए उसने क्वश्चन पेपर को परीक्षा सेंटर से बाहर भेजा था। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर नकल में प्रयुक्त स्मार्ट वॉच और वॉट्सऐप के जरिए पेपर भेजने वाले मोबाइल को जब्त कर लिया है।

अशोक नगर थानाधिकारी किशन कुमार ने बताया कि आरोपी रवि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- आरोपी रवि अंडर गारमेंट में छिपाकर स्मार्ट वॉच परीक्षा केन्द्र में ले गया था तथा उसके माध्यम से नकल कर रहा था।

ट्रंप का एच-1बी वीज़ा के आदेश का कानूनी पक्ष बहुत कमज़ोर है

अमेरिका के राष्ट्रपति को, वीज़ा की एप्लीकेशन को प्रोसैस करने पर आयी लागत की भरपायी के लिए, फीस लगाने का वाजिब अधिकार है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीज़ा आवेदनों पर 100,000 डॉलर (लगभग 83 लाख रूपये) फीस लगाने की घोषणा ने विश्व स्तर पर टैक्नॉलजी सैक्टर में हलचल मचा दी है। यह फीस मौजूदा कुछ सौ डॉलर की पंजीकरण फीस से कई गुना अधिक है। इस निर्णय ने न केवल राजनीतिक बहस को हवा दी है, बल्कि कानूनी चुनौतियाँ भी पैदा कर दी हैं और उन शीर्ष अमेरिकी कंपनियों को भी चिंतित कर दिया है, जो कुशल विदेशी प्रतिभा पर निर्भर हैं।

ट्रंप प्रशासन ने इस बढ़े शुल्क को अमेरिकी नौकरियों की रक्षा और कंपनियों पर अधिक घरेलू कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए दबाव बनाने के अपने एजेंडा का हिस्सा बताया है।

वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक ने कहा कि यह कदम सुनिश्चित करेगा कि केवल "बेहद कौशल" वाले लोग ही एच-1बी वीज़ा के लिए पात्र हों और इससे सस्ते विदेशी श्रमिकों पर निर्भरता घटेगी।

लेकिन पूरे अमेरिका के कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह आदेश कानूनी रूप से कमज़ोर है। "इमिग्रेशन एंड नैशनलिटी एक्ट" (आईएनए) के तहत, अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएस सिटीज़नशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज़-यूएससीआईएस) को वीज़ा प्रक्रिया की लागत वसूलने के लिए शुल्क निर्धारित करने का अधिकार है। लेकिन आलोचकों का कहना है कि जहाँ लागत की वसूली एक वैध कानूनी अधिकार है, वहीं लागत वसूली के नाम पर 100,000 डॉलर का शुल्क वास्तविक प्रशासनिक खर्च से कहीं बहुत अधिक है।

वॉशिंगटन के एक इमिग्रेशन वकील ने कहा, "इतना ज्यादा शुल्क, लागत वसूली कम, बल्कि बाहरी लोगों को आने से रोकना ज्यादा लगता है। यह आदेश वैधानिक अधिकारों से परे जाकर दिया गया आदेश सिद्ध हो सकता है।"

विश्लेषकों को उम्मीद है कि इस आदेश को "एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसीजर एक्ट" (एपीए) के तहत चुनौती दी जाएगी, जो सरकारी नियमों के तर्कसंगत, प्रमाण-आधारित और प्रक्रियात्मक रूप से उचित होने की मांग करता है। अगर अदालतों को यह शुल्क मनमाना, अनुपातहीन या लागत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, वॉशिंगटन के इमिग्रेशन मामलों के जाने माने वकील के अनुसार, अगर आवेदन पर लगाई गई फीस, खर्च से कहीं ज्यादा है तथा फीस लगाने का मकसद दण्डात्मक है, जिससे विदेशी प्रोफैशनल्स का अमेरिका आना रोका जा सकेगा, तो न्यायालय राष्ट्रपति के इस आदेश को रद्द कर सकते हैं।

ईडी को मो. सादिक के 20 खातों में करोड़ों रुपये का लेन-देन मिला

बीकानेर में तलाशी में ईडी को विदेशी धन, हथियारों की तस्करी, जबरन धर्म परिवर्तन के प्रमाण मिले

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर में एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) की कार्रवाई में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच एजेंसी ने अमीर मो. सादिक के 20 बैंक खातों को खंगाला। इनमें करोड़ों के लेन-देन के सबूत मिले हैं। सादिक 6 से ज्यादा विदेश यात्राएं भी कर चुका है। आरोप है कि सादिक ने बांग्लादेश के एक एनजीओ की आर्थिक मदद भी की थी। विदेशों से भी फंडिंग की जानकारी मिली है।

ईडी को को शक है कि सादिक के आतंकी कनेक्शन भी हैं और इसको लेकर भी जांच आगे बढ़ ाई जा रही है। ईडी ने 17 सितंबर को धोबीतलाई की गली नंबर 2 स्थित मोहम्मद सादिक, फड़ बाजार में पठानों की मस्जिद वाली गली में असगर अली, सुभाषपुरा में कांग्रेस के पूर्व पार्षद जावेद और मुक्ताप्रसाद नगर में साबिर के घर सहित, कुल छः ठिकानों की तलाशी ली थी। बताया जाता है कि असगर अली, जावेद और साबिर, सादिक के करीबी हैं। मोहम्मद सादिक बीकानेर में जमीयत अहले हदीस (जेएएच) नाम का एनजीओ चलाता है। सादिक अलफुरकान एजुकेशनल ट्रस्ट का अध्यक्ष भी था और मस्जिद-ए-आयशा ट्रस्ट की भी देखरेख करता था। सादिक के इन ट्रस्टों सहित, करीब 20 बैंक खातों में करोड़ों रूपए होने और लेनदेन का इनपुट मिला है।

ईडी को सादिक के खिलाफ हवाला कारोबार और मनी लॉन्ड्रिंग की जानकारी मिली थी। ईडी को तलाशी अभियान के दौरान जुटाए सबूतों से संदिग्ध माध्यमों से विदेशी धन जुटाने, हथियारों की तस्करी, भड़काऊ सामग्री का प्रचार-प्रसार, जबरन धर्म परिवर्तन, व्यक्तिगत तथा वैचारिक लाभ के लिए धार्मिक संस्थाओं का दुरुपयोग आदि के प्रमाण मिले हैं।

ईडी के पास जानकारी थी कि सादिक गैरकानूनी धर्मान्तरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों में शामिल रहा है। इसके चलते जयपुर से ईडी की टीम ने सर्च अभियान चलाया था। ईडी की जांच में सामने आया कि जमा राशि का स्रोत सादिक ने स्पष्ट नहीं किया है, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ईडी की जांच के अनुसार कोई वैध व पर्याप्त आय नहीं होने के बावजूद सादिक ने कई देशों की यात्रा की व लम्बे समय तक इन देशों में रहा। बांग्लादेश के एक एनजीओ को वित्तीय सहायता देने के साक्ष्य भी मिले।

राजस्थान में ई-सिगरेट पर पूर्ण पाबंदी लागू करें

जयपुर, 20 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में ई-सिगरेट की बिक्री को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि ई-सिगरेट पर पूरी तरह से पाबंदी लगाई जानी चाहिए। वहीं, इसके लिए एक विस्तृत कार्य योजना भी तैयार करने के लिए कहा है। खंडपीठ ने इस संबंध में साल 2019 में बनाए कानून के प्रावधानों को लागू करवाने के लिए मुख्य सचिव व डीजीपी को भी दिशा-निर्देश दिए हैं। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश प्रियांशा गुप्ता की पीआईएल पर दिए। अदालत ने डीजीपी को कहा है कि वे विभिन्न रेंज हैड क्वार्टर का प्रतिनिधित्व करने वाले अफसरों की एक टीम बनाएं, जो कानून

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव व डीजीपी को 2019 में बने कानून के प्रावधानों को लागू करने के निर्देश दिये।

जयपुर सेंट्रल जेल से फरार हुए दो कैदियों में से एक पकड़ा गया

रात साढ़े तीन बजे 27 फीट ऊंची दीवार फांदकर फरार हुए थे अनस व नवल किशोर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर 20 सितम्बर। जयपुर सेंट्रल जेल से शनिवार सुबह दो कैदी पुलिस सुरक्षा को धता बताते हुए, 27 फीट ऊंची दीवार कूदकर फरार हो गए। शनिवार अलसुबह 3:30 बजे ये कैदी अनस और नवल किशोर पानी के पाइप के सहारे दीवार पर चढ़े और उसी पाइप से लटककर नीचे कूदकर भागे थे, परंतु पुलिसकर्मियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। शनिवार सुबह बंदियों की गिनती के समय जैसे ही जेल कर्मचारियों को दो कैदियों के फरार होने की जानकारी मिली तो जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

इसके बाद उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो इस पूरे घटनाक्रम सामने आया। हालांकि पुलिस ने इन दोनों कैदियों में से एक बदमाश अनस को पकड़ लिया है, परंतु दूसरा कैदी अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है, जिसकी धरपकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। इस घटना के बाद जयपुर सेंट्रल जेल की सुरक्षा व्यवस्था और जेल प्रशासन की लापरवाही भी उजागर हो गई है। इस मामले में जेल प्रशासन ने 7 जेल प्रहरियों को निलंबित कर दिया है। अब पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। जेल की सुरक्षा व्यवस्था की भी गहन जांच की जा रही है। पुलिस को शक है कि फरारी में जेल के किसी कर्मचारी की मिलीभगत हो सकती हैं,जैसा कि पिछले मामलों में सामने आया था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जेल (एडीजी) रुपिंदर सिंह ने बताया कि जयपुर सेंट्रल जेल से कैदी अनस कुमार (28) और नवलकिशोर महावर (32) फरार हुए हैं। आरोपी अनस यूपी के तालावाली बगिया फिरोजाबाद का रहने वाला है और नवल किशोर महावर इब्राहिमपुर थाना नई मंडी हिंडौन सिटी करौली का रहने वाला है। दोनों कैदी जेल के बाथरूम से निकलकर दीवार पर चढ कर फरार हुए हैं। दोनों बंदी इसी सप्ताह जेल में आए थे। बंदी अनस सांगानेर से चोरी के मामले में 15 सितंबर को जेल में पहुंचा था,जबकि बंदी नवल किशोर मालपुरा से चोरी के मामले में 17 सितंबर को जयपुर सेंट्रल जेल पहुंचा था और दोनो ही 13 नंबर बैरक में बंद थे। पुलिस ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी अनस को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से बचकर भागने के दौरान उसके सिर पर चोट लग गई है। वहीं, दूसरे कैदी नवल किशोर की अभी तलाश की जा रही है। जेल प्रशासन ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। जिसकी भी लापरवाही पाई जाएगी, उस पर कड़ा एक्शन होगा।

जयपुर सेंट्रल जेल से दो कैदी फरार होने की इस घटना के बाद जेल प्रशासन ने 7 जेल प्रहरियों को निलंबित किया है। शुरुआती जांच में इनकी लापरवाही सामने आयी है। इनमें दो मुख्य जेल प्रहरी भी शामिल हैं। डीजी जेल गोविंद गुप्ता के अनुमोदन पर एडीजी जेल रूपिंदर सिंह ने मुख्य जेल प्रहरी रेखा लखेरा, प्रहरी अनिता जाजोरिया, मनोज कुमार मीणा , धर्मवीर गुर्जर , रतन सिंह राठौड़, मनोज वर्मा और माया जाट को निलंबित कर दिया। इसके अलावा 13वीं बटालियन आरएसी (जेल सुरक्षा) के कांस्टेबल ताराचंद,अशोक कुमार और सुभाष चंद को भी निलंबित कर दिया गया है।

शुक्रवार-शनिवार की रात्रिकालीन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दूसरा कैदी नवल किशोर अभी पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। सात जेल प्रहरी निलंबित किये गये। फरारी में जेल के किसी कर्मचारी की मिलीभगत होने का शक किया जा रहा है।

अभिनेता मोहनलाल को दादा साहब फाल्के अवॉर्ड

नयी दिल्ली 20 सितंबर। मलयालम फिल्मों के सुपरस्टार मोहनलाल को भारतीय सिनेमा में अमूल्य योगदान के लिए प्रतिष्ठित दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मलयालम फिल्मों के सुपर स्टार मोहनलाल को सिनेमा में उनके शानदार योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान करने की घोषणा की।

बंगाल में उद्योग को दिये जा रहे "इन्सैन्टिव" बैकडेट से खत्म किये गए

एक बार फिर बंगाल से उद्योगों का पलायन शुरु हुआ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितंबर। तीन दशकों की औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाओं को पूर्व प्रभाव (पिछली तारीख) से समाप्त कर पश्चिम बंगाल सरकार ने निवेशकों के विश्वास को तोड़ दिया है और अपनी ही अर्थव्यवस्था को कमज़ोर कर दिया है, साथ ही पूँजी निवेश के प्रति शत्रुता का संदेश भी दिया है। इसकी वजह से एक और औद्योगिक पलायन की लहर उठ सकती है, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ सकता है।

आर्थिक और वित्तीय दृष्टिकोण से बिल्कुल असंगत इस फैसले में पश्चिम बंगाल सरकार ने सभी औद्योगिक प्रोत्साहनों को रद्द कर दिया है, वह भी पूर्व प्रभाव के साथ।

"पश्चिम बंगाल प्रोत्साहन योजनाओं और अनुदान स्वरूप दायित्वों की निरस्तीकरण विधेयक, 2025", जो 2 अप्रैल को अधिसूचित हुआ था, उसने 1993 से अब तक दिए गए सभी प्रोत्साहनों को रद्द कर दिया है और यह प्रभाव उन योजनाओं की प्रारंभ तिथि से लागू होगा। इस पूर्व-प्रभावी कार्यान्वयन का मतलब है कि पश्चिम बंगाल प्रोत्साहन योजनाएं (1993-2021) और अन्य सहायता उपायों के तहत मिले लाभ अब अमान्य माने जाएंगे।

अब कई बड़े उद्योगपतियों ने इस कानून को कोलकाता उच्च न्यायालय में चुनौती दी है तथा इसे "संविधान विरोधी" करार दिया गया है। उद्योग जगत इसे "विश्वासघात" की संज्ञा दे रहा है और यह सरकार व उद्योगों के बीच पहले से मौजूद अविश्वास की खाई को और गहरा करता है।

डालमिया और बिड़ला समूह का अनुमान है कि इस निर्णय से उन्हें संयुक्त रूप से 430 करोड़ का नुकसान हुआ है, जबकि अन्य कंपनियां अभी नुकसान का आकलन कर रही हैं। वे सभी औद्योगिक इकाइयाँ, जिन्होंने अपने निवेश, विस्तार और वित्तीय योजनाएं इस आधार पर बनाई कि उन्हें सरकार से वादे के अनुसार प्रोत्साहन मिलेंगे, अब उन्हें सीधे आर्थिक नुकसान और योजना में व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है।

पश्चिम बंगाल का उद्योगों से टकराव कोई नया नहीं है। राज्य ने 35 वर्षों तक वामपंथी शासन देखा, जिसके बाद सत्ता तृणमूल कांग्रेस के हाथ में गई।

वामपंथी विचारधारा के अनुसार, कॉरपोरेट घरानों को "शोषक वर्ग" का हिस्सा माना गया और उन्हें सहयोग नहीं दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु का कथन है कि "पूंजीपति वर्ग शत्रु है, जिससे किसी सहानुभूति की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

हड़तालें, यूनियनवाद और हिंसा वामपंथी शासन में आम थीं। साथ ही उद्योगों पर हमले, आगज़नी और श्रमिक उग्रता भी काफी ज्यादा थी। परिणामस्वरूप, कई उद्योगों ने राज्य छोड़ दिया, सिंघानिया दिल्ली चले गए, बिड़ला मुंबई और जो राज्य कभी भारत का दूसरा सबसे बड़ा औद्योगिक राज्य था, वह पतन की ओर चला गया।

वामपंथियों की जगह जब ममता बनर्जी की अगुआई में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, तो उम्मीद जगी थी। लेकिन सिंगूर में टाटा मोटर्स के खिलाफ आंदोलन, जिसने अंततः कंपनी को राज्य से बाहर कर दिया, ने ममता की उद्योग विरोधी छवि बना दी। विडंबना यह रही कि सिंगूर संयंत्र की शुरुआत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- तृणमूल सरकार द्वारा छः महीने पहले लिए गए इस नीतिगत फैसले का असर अब साफ दिखने लगा। 6,000 कंपनियां, जिनमें 110 लिस्टेड कंपनियां भी शामिल हैं, ने अपना कारोबार बंगाल से बाहर शिफ्ट करना शुरु कर दिया।
- इकॉनमिस्ट भी तृणमूल सरकार के इस आदेश का कारण समझ नहीं पा रहे, क्योंकि अब तो स्थापित सोच है कि औद्योगिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने के लिए उद्योग को इन्सैन्टिव देना काफी लाभदायक होता है। अमेरिका की एक स्टडी के अनुसार, कैपिटल इण्डस्ट्रियल इन्सैन्टिव पर खर्च किया गया एक रूपया, दो रूपये का लाभ पहुँचाता है। उद्योगों को।
- चीन में की गई एक अन्य स्टडी के अनुसार, जिन कंपनियों में सब्सिडी का इन्सैन्टिव किया गया, उनका उत्पाद 61.3 प्रतिशत ज्यादा था बनिस्पत उन इण्डस्ट्री के, जिन्हें सब्सिडी का लाभ नहीं दिया गया था।

समुद्र में देश की पहली सुरंग का निर्माण पूरा

नयी दिल्ली, 20 सितम्बर। रेलवे ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के घनसोली और शिलफाटा में किये गये सुरंग निर्माण को बड़ी सफलता करार देते हुए कहा है कि यह देश की पहली परियोजना है जिसके तहत समुद्र के नीचे सुरंग का निर्माण किया गया है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना में की यह भारतीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजैक्ट के तहत घनसोली और शिलफाटा के बीच यह सुरंग बनाई गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पीएम मोदी के आगमन की तैयारियों का जायजा लिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 25 सितंबर को बांसवाड़ा में माही बांसवाड़ा न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट समेत कई विकास योजनाओं का शिलान्यास करेंगे

■ मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, पार्किंग क्षेत्र सहित पूरे आयोजन स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की

बांसवाड़ा/जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 25 सितंबर को बांसवाड़ा के नापला में प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत माही बांसवाड़ा न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट समेत कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। इस आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं नापला पहुंचे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, पार्किंग क्षेत्र सहित पूरे आयोजन स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं और कार्यक्रम में आने वाले आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मंच, डोम, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बांसवाड़ा के नापला में तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक कैलाश मीना, मुख्य सचिव सुधांश पंत, डीजीपी राजीव शर्मा मौजूद रहे।

इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा प्रदेश के लिए ऐतिहासिक रहेगा। माही बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र राजस्थान की ऊर्जा क्षमता को नई ऊंचाई देगा और यह प्रोजेक्ट ऊर्जा क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक कैलाश मीना, शंकरलाल डेचा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, डीजीपी राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, शिखर अग्रवाल, प्रवीण गुप्ता सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पत्नी पर शक के चलते रिश्तेदार युवक की चाकू से हमला कर हत्या

■ ससुराल पहुंचकर पति ने पत्नी, युवक व सास पर चाकू से हमला किया, घायल महिला व उसकी मां का उपचार अस्पताल में चल रहा है

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में शनिवार को पति ने अपने ससुराल कोटा आकर पत्नी व उसके रिशतेदार साथी युवक व अपनी सास पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में घायल हुए युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई एवं घायल महिला व उसकी मां का उपचार अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार पूरे घटनाक्रम के पीछे मामला सामने आया है कि हमलावर पति अपनी पत्नी के उपर शक करता था, और उसको रिशतेदार युवक का घर में आना-जाना भी पसंद नहीं था। हमले की सूचना पाकर बोरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर ही एफएसएल, एमओबी व अन्य टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाये गये। बोरखेड़ा थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि इलाके के मंडीपाडा निवासी रेखा रानी कुशवाह की शादी अंता के नागदा गांव निवासी चंद्रप्रकाश कुशवाहा के साथ हुई थी। दोनों पति-पत्नी के बीच कोई कहासुनी को लेकर अनबन हो गई और महिला अपने पीहर मंडीपाड़ा में अपनी मां के पास रहने लगी। थानाधिकारी ने बताया कि चंद्रप्रकाश कुशवाह शनिवार को अपने ससुराल अपनी पत्नी रेखा रानी से मिलने के लिये आया था, घर में उसकी पत्नी के मौसी का पोता दीपक कुशवाह मौजूद था। थानाधिकारी ने बताया कि चन्द्रप्रकाश अपनी पत्नी के ऊपर शक करता था जिसके चलते उसने पत्नी रेखा रानी कुशवाह (30) दीपक (32) पर अचानक से चाकू से हमला कर दिया, शोर सुनकर रेखा रानी की मां रूकमणी (62) बीच बचाव के लिये आई तो चन्द्रप्रकाश ने अपनी सास के ऊपर पर भी चाकू से हमला कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे, हमले में घायल तीनों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां घायल दीपक कुशवाह की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। आरोपी के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दस हजार का इनामी तस्कर गिरफ्तार

■ आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को दो किलोमीटर तक खेतों में दौड़ाना पड़ा

जोधपुर, (कासं)। जिले की बिलाड़ा पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में फरार चल रहे दस हजार के इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। वह चार साल से फरार था। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को दो किलोमीटर तक खेतों में दौड़ाना पड़ा।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने बताया कि वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिलाड़ा पुलिस ने खुडाला झंवर निवासी बुधाराम को गिरफ्तार किया है। वह चार साल से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ बिलाड़ा में एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण था। एएसपी भोपाल सिंह के सुपरविजन में जिला विषेष टीम के प्रभारी श्रवणकुमार भंवरिया मय टीम द्वारा कांस्टेबल देवीलाल की सूचना पर पुलिस टीम वांछित अपराधी की दस्तयाबी के लिए दबिश दी गई। वह पुलिस को देखकर खेतों में भाग गया, तब दो किलोमीटर तक पीछा कर आखिरकार पकड़ा गया।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी ने खेतों में बीज उत्पादन घोटाला पकड़ा

■ कागजों में ग्वार और मूंग का बीज उत्पादन दिखाने वाली कंपनियों के खेतों में मौके पर नरमा (कपास) की फसल पाई गई

■ किसानों की शिकायत पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में खेतों का निरीक्षण किया

जयपुर/हनुमानगढ़। किसानों की शिकायत पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने शनिवार को श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में खेतों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बीज उत्पादन को लेकर बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। कागजों में ग्वार और मूंग का बीज उत्पादन दिखाने वाली कंपनियों के खेतों में मौके पर नरमा (कपास) की फसल पाई गई। मंत्री ने इसे किसानों के साथ खुला धोखा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दुगुनी आय' योजना पर सीधा हमला बताया।

निरीक्षण के दौरान पियाली नेचुरल्स प्राइवेट लिमिटेड, कृभको और जयशंकर सीड्स जैसी कंपनियों के दस्तावेजों और जमीनी स्थिति में भारी अंतर सामने आया। कहीं ग्वार के नाम पर मूंग और नरमा की फसल लगी मिली, तो कहीं जिस किसान के नाम पर फसल दिखाई गई, वह उस गांव का ही नहीं निकला। एक खेत में तो किसान रामस्वरूप ने साफ कहा कि कंपनी ने उसके बेटे के नाम पर समझौता दिखाया, जबकि उसका ऐसा कोई बेटा है ही नहीं।

कृषि मंत्री ने बताया कि यह पूरा खेल कागजों में बीज उत्पादन दिखाने, अनाज की मंडी से सस्ता अनाज खरीदकर उसे प्रोसेस कर सर्टिफाइड बीज के नाम पर महंगे दामों में बेचने का है। कंपनियां 40-50 रुपए किलो में अनाज खरीदती हैं और फिर उसे नीले टैग के साथ 700-800 रुपए किलो में किसानों को बेच देती हैं। इससे न केवल किसानों को नुकसान होता है, बल्कि सरकारी सब्सिडी का भी दुरुपयोग होता है। डॉ. मीणा ने कहा कि इस घोटाले में कई सरकारी संस्थाएं भी शामिल हैं, जिनमें एचआईएल, कृभको, इफको, आरएसएससी, एनएससी, नैफेड आदि के नाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि बीज प्रमाणीकरण की प्रक्रिया में भी लापरवाही सामने आई है, जिसके तहत फर्जी फसल पर भी प्रमाणन टैग जारी कर दिए गए। शनिवार को कृषि मंत्री ने बीज उत्पादन से जुड़ी करीब 20 फाइलों की जांच की, जिनमें गंभीर गड़बड़ियां पाई गईं। उन्होंने बताया कि रविवार को 50 और फाइलों की जांच होगी और सैकड़ों लंबित फाइलों की भी विस्तृत जांच की जाएगी। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और अमानक बीज उत्पादन व वितरण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। डॉ. मीणा ने साफ कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज मिलना उनका हक है और सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि बीज के नाम पर अब कोई किसान ठगा न जाए।

लोकतंत्र में अभद्रता का कोई स्थान नहीं है : शेखावत

■ जोधपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेताओं की हालिया टिप्पणियों को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार को जोधपुर दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत की। दिल्ली से आगमन के कुछ ही समय बाद शेखावत ने कांग्रेस नेताओं की हालिया टिप्पणियों को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और संयमित भाषा के उपयोग पर जोर दिया। शेखावत ने कहा कि लोकतंत्र में अभद्रता का कोई स्थान नहीं है। बाबा साहेब अंबेडकर ने जो संविधान रचा, उसमें इस तरह की भाषा को कोई मान्यता नहीं दी गई। महात्मा गांधी ने भी सदा संयम और मर्यादित वाणी का संदेश दिया है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो नेता बाबा साहेब और गांधीजी की शपथ लेकर राजनीति में आते हैं, वही जब असभ्य भाषा का प्रयोग करते हैं, तो यह चिंता का विषय है। लगता है कि यह संस्कार उन्हें वर्तमान पीढ़ी के नेताओं से मिले हैं।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष सलीम खान की विवादास्पद टिप्पणी को लेकर पूछे गए सवाल पर शेखावत ने कहा कि हमारे संस्कार अभद्र भाषा का प्रतिकार करने की अनुमति नहीं देते, लेकिन कांग्रेस को आत्मावलोकन की जरूरत है। अगर वह समय रहते आत्मचिंतन नहीं करती, तो जनता चुनाव में इसका जवाब जरूर देगी। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुपारस भंडारी का नाम लेकर उनकी प्रशंसा की। शेखावत ने कहा कि भंडारी ने गलत को स्वीकार कर क्षमा मांगने की बात कही, यह एक स्वस्थ लोकतांत्रिक संकेत है। दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि दिल्ली में राष्ट्रवादी विचारधारा की जीत हुई है। यह देश के संकल्पों और युवाओं के सपनों की जीत है।

महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा 28 को

अजमेर, (कासं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा 2024 का 28 सितम्बर प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर होगी। परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं।

बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा 2024 का 28 सितम्बर को सुबह 10 से 11:30 बजे तक प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा के लिए सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। ग्रुप प्रथम में कक्षा 6 से 8, ग्रुप द्वितीय में कक्षा 9 से 12 और ग्रुप तीन में महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी शामिल होंगे। सचिव शर्मा ने बताया कि स्कूल के प्रधान तथा महाविद्यालय के प्राचार्य आवेदन करते समय उपयोग की गई यूजर आईडी एवं पासवर्ड से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर हार्ड कापी निकाल लें।

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/निर्माण/2025-26/16101 दिनांक 18.09.2025

अल्पकालीन ई- निविदा-सूचना सं0 105/2025-26

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 34.61 लाख

UBN Number DLB2526WSOB18864

आयुक्त
नगर निगम, बीकानेर

राज.संवाद/सी/25/10616

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/निर्माण/2025-26/16101 दिनांक 18.09.2025

अल्पकालीन ई- निविदा-सूचना सं0 105/2025-26

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 34.61 लाख

UBN Number DLB2526WSOB18864

आयुक्त
नगर निगम, बीकानेर

राज.संवाद/सी/25/10616

आर्मी जवान को अज्ञात वाहन ने कुचला, मौत

■ सिर के ऊपर से निकला टायर, दोस्त गंभीर घायल, सात दिन पहले छुट्टी पर आए थे

नोखा, (निसं)। यहां छुट्टी पर घर आए आर्मी जवान की हादसे में मौत हो गई। दोस्त के साथ होटल पर खाना खाने जाते समय जवान की बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसा देर रात करीब 11 बजे हुआ चरकड़ा के पास हुआ।

एसआई सुरेश भादू ने बताया कि माडिया गांव निवासी सीताराम बिश्नोई (28) साल 2014 में सेना में भर्ती हुए थे। वे आर्मी की 19 पंजाब यूनिट में सिक्किम में चाइना बॉर्डर पर गंगटोक में पोस्टेड थे। 7 दिन पहले छुट्टी पर घर आए थे। रात को वह बीकासर निवासी अपने दोस्त मनीष के साथ बाइक पर चरकड़ा के पास एक होटल पर खाना खाने जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने इनकी बाइक को टक्कर मार दी। वाहन का टायर जवान सीताराम के सिर के ऊपर से निकल गया, जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं मनीष को गंभीर चोट आई है। वहां से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को नोखा के जिला अस्पताल लाए, जहां से मनीष को बीकानेर रेफर कर दिया। वहीं जवान सीताराम के शव को मोचरी में रखवा दिया। एसआई ने बताया कि पुलिस ने सेना और परिजनों को सूचना दी। सेना के अधिकारियों के आने के बाद पोस्टमॉर्टम किया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

मुआवजा नहीं मिलने से किसानों में नाराजगी

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ में बारिश के चलते फसलें बर्बाद होने के बावजूद शहर के किसानों को कोई मुआवजा नहीं मिलने से नाराजगी प्रकट की। सरवाड़ पटवार हल्का क्षेत्र के किसानों ने बताया कि खरीफ फसल वर्ष 2024 में अतिवृष्टि होने के बावजूद किसानों के खाते में अनुदान नहीं आने से किसानों में रोष देखने को मिल रहा है। किसानों ने बताया कि क्षेत्र के कई बार पटवारी अधिकारियों को अवगत करवाने के बावजूद उनकी लापरवाही के चलते किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिलने से संकट पैदा हो गया। वहीं इस वर्ष भी बारिश ने सभी फसलों को बर्बाद कर दिया, जिसके चलते पशुपालन संकट हो गया। वहीं दो दिन हुई बारिश के बाद खेतों में पानी भरने से कटी हुई फसलें नष्ट हो गई जिससे किसानों पर दुख का संकट पैदा हो गया।

पिकअप व ऑटो की भिड़ंत में एक युवक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर-सिद्धमुख सड़क पर स्थित गांव किशनपुरा के नजदीक शुक्रवार व शनिवार की देर रात्रि हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पिकअप और ऑटो की हुई जबरदस्त भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल होने के साथ-साथ ऑटो चालक घायल हो गया। युवक बीकानेर से परीक्षा देकर तथा ऑटो किराए पर कर अपने गांव जा रहे थे।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि सुमित कुमार निवासी किशनपुरा ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि गांव किशनपुरा निवासी अमित अपने साथियों मनफूल, सोनू सिंह के साथ 19 सितंबर को परीक्षा देकर रात्रि के समय टेंपो से सादुलपुर से अपने गांव लौट रहे थे। रात करीब 11.35 बजे बामणों वाले कुण्ड के पास सामने से आ रही पिकअप के चालक ने तेज गति व लापरवाही से गलत साइड में वाहन चलाते हुए ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो दो हिस्सों में बंट गया। हादसे में किशनपुरा निवासी अमित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मनफूल को गंभीर चोटों के चलते पहले शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे हिसार रेफर किया गया। सोनू सिंह को पहले राजगढ़ और फिर चूरू अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुनील को हल्की चोटें आईं और उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। ऑटो चालक अब्दुल रफीक भी घायल हुआ है, जिसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटना का मौका निरीक्षण किया तथा मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिजनों को सौंप दिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरकारी टीचर ने छात्रा से छेड़छाड़ का प्रयास किया

■ एक महीने से परेशान करने का आरोप, पॉक्सो में केस दर्ज

अनूपगढ़, (निसं)। यहां एक सरकारी स्कूल के शिक्षक पर नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घड़साना पुलिस थाने में पीड़िता और उसके परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, सरकारी स्कूल में कक्षा 7 में पढ़ ने वाली 12 वर्षीय छात्रा के साथ टीचर जयपाल मीणा ने अश्लील हरकतें की। आरोपी शिक्षक पिछले एक महीने से छात्रा को गलत नीयत से छू रहा था। छात्रा घर पहुंची, तो वह डरी और सहमी हुई थी। शुरुआत में उसने कुछ नहीं बताया। मां के बार-बार पूछने पर उसने पूरी घटना बताई। छात्रा ने बताया कि शिक्षक ने उसे किसी को नहीं बताने की धमकी भी दी थी। एसएचओ महावीर प्रसाद बिश्नोई ने बताया कि आरोपी शिक्षक के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय नगरपालिका तारानगर (चूरू) राज.
Office Telephone No. 01561-240245, E-mail- eotrn2009@gmail.com

क्रमांक :/न.पा.ता./2025-26/3235-39 दिनांक :-17.09.2025

ई-निविदा सूचना 07/2025-26

सर्व साधारण एवं पंजीकृत ठेकेदारो/फर्मो की जानकारी हेतु प्रसारित किया जाता है कि तारानगर नगरपालिका क्षेत्र में नगरपालिका तारानगर द्वारा स्वीकृत कार्य ऑनलाईन निविदाऐ आंमत्रित की जाती है। नगरपालिका तारानगर द्वारा नगरपालिका, राज्य व केन्द्र सरकार के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो को कार्य हेतु पंजीकृत संवेदको से टेण्डर के माध्यम से दिनाक 19.09.2025 से दिनांक 03.10.2025 को निविदा ऑनलाईन आमंत्रित की जायेगी। जिसकी निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण व शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

NIB CODE	UBN NO.
DLB2526A6133	DLB2526WSOB18921
	DLB2526WSOB18923
	DLB2526WSOB18929
	DLB2526WSOB18934

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

राज.संवाद/सी/25/10592

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभारिण शक्ति सूर्ययोः
रजि. ऑफिस.- विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर-302005
Website : http://energy.rajasthan.gov.org/jvvnl, कार्यालय मुख्य अभियन्ता (कोटा संभाग)
मयपुर पॉवर हाउस, साई रोड, कोटा- 324001, दूरभाष नं. 0744- 2320881, 2450066, ईमेल :- zcekz@jvvnl.org

ई - निविदा सूचना

जयपुर डिस्कॉम के क्षेत्राधिकार में निम्न कार्य हेतु दो भागों में ई-निविदा (तकनीकी-वाणिज्यिक) एआरसी 2023 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते हैः- बूंदी वृत्त में सहायक अभियंता (पवस), जेपीडी, लाखेरी के अधीन मेसर्स उतराना लिफ्ट सिंचाई परियोजना, सहायक अभियंता, जल संसाधन विभाग, बूंदी के पक्ष में टीएन-37/2025-26 के अंतर्गत नया 845 एचपी (सीडी 630 केवीए) एचटी-एलआईपी कनेक्शन जारी करने हेतु। (UBN:VVN2526WSOB00428), झालावाड़ वृत्त में टीएन-38/2025-26 के अंतर्गत सहायक अभियता (पवस), जेपीडी, सारोला कलां के अधीन परवन परियोजना के कनेक्शन जारी करने के लिए मौजूदा 33/11 केवी सबस्टेशन मालनवासा से पंपिंग स्टेशन-1 (सारोला कलां) तक 7 किलोमीटर 11 केवी लाइन के निर्माण कार्य हेतु। (UBN:VVN2526WSOB00429), कोटा वृत्त में टीएन-39/2025-26 के अंतर्गत सहायक अभियंता (पवस) जेपीडी, दीगोद के अधीन अधीशाषी अभियंता, जल संसाधन परवन परियोजना, खसरा न0 149 एवं 150 डंगावद (हरिपुरा), दीगोद के पक्ष में CL 3600 KW तथा CD 4000 KVA क्षमता का नया एचटी-एलआईपी कनेक्शन जारी करने हेतु। (UBN:VVN2526WSOB00430) योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 23.09.2025 से डाउनलोड कर सकते है। टीएन-37 व टीएन-38 के लिए निविदाऐं ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 29.09.2025 को सांय 05:00 बजे तक व टीएन-39 के लिए दिनांक 06.10.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/10620 जेपीआर - 3060 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (कोटा संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

स्कार्पियो गाड़ी से 10 लाख रूपये का डोडा पोस्त एवं नौ जिंदा कारतूस बरामद

■ सड़क पर खड़ी लावारिस स्कार्पियों एन में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ भरा होने की सूचना पर कार्रवाई की

ब्यावर, (निसं)। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर स्कार्पियो गाड़ी से सवा क्विंटल अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त एवं नौ जिन्दा कारतूस बरामद किये हैं। जब्त अवैध मादक पदाथ डोडा-पोस्त की अनुमानित बाजार कीमत करीब 10 लाख रूपये बताई गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह आईपीएस के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा, आरपीएस एवं वृत्ताधिकारी वृत्त मसूदा सज्जन सिंह आर.पी.एस के निकटतम सुपरविजन में थाना अधिकारी पुलिस थाना बिजयनगर मय टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक स्कार्पियो एन से 125.510 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त व नौ बारह बोर गन के नौ जिन्दा कारतूस बरामद किये हैं। गौरतलब है कि 19 सितम्बर को पुलिस थाना बिजयनगर पर विशेष सूत्र से सूचना मिली कि हनुतियां माताजी मन्दिर रोड बिजयनगर पर एक सफेद रंग की स्कार्पियों एन लावारिस खड़ी है, जिसमें भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ भरा हो सकता है, जिस पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए हनुतियां माताजी मन्दिर रोड पहुंचे, जहां पर सूचना अनूसार एक स्कोर्पियो एन खड़ी मिली, जिसके वाहन चालक की आस-आस तलाश की गई तो वाहन चालक फरार हो चुका था, जिससे गाड़ी संदिग्ध प्रतीत होने पर तलाशी ली गयी तो गाड़ी के अन्दर सात कट्टों मे डोडा-पोस्त भरा मिला, जिनका वजन किया गया तो कुल 125.51 किलोग्राम हुआ। गाड़ी के अन्दर बारह बोर गन के नौ जिंदा कारतूस मिले जिनको जब्त कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम में इन्द्र सिंह स.उ.नि. थाना प्रभारी बिजयनगर गोपीराम हैड कांनि. और कांस्टेबल नीरज कुमार, बलवीर सिंह आदि थे।

पुलिस ने स्कार्पियो गाड़ी से सवा क्विंटल डोडा-पोस्त बरामद किया।

अफीम दूध के साथ एक गिरफ्तार : जोधपुर में जिला ग्रामीण की स्पेशल टीम ने अवैध अफीम के दूध के साथ एक तस्कर को पकड़ा है। उसके पास से पुलिस ने दो किलो 70 ग्राम अवैध अफीम का दूध बरामद किया है। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को घेरा डालना पड़ा। कार्रवाई में खेड़ापा पुलिस भी साथ रही।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के लिए डीएसटी व पुलिस थाना खेड़ापा ने संयुक्त कार्रवाई कर अफीम तस्कर खेड़ापा के अरनियानाडा निवासी सुरेश पुत्र रमेशराम विश्नोई को पकड़ा है। विशेष अभियान के तहत एएसपी भोपाल सिंह लखावत के निकट सुपरविजन एवं उपाधीक्षक भूराराम खिलेरी के निर्देशन में जिला विशेष टीम के कांस्टेबल राकेश नेहरा की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। कस्बा बावड़ी में खेड़ापा थानाधिकारी लाखाराम, डीएसटी प्रभारी श्रवण कुमार भवंरिया के नेतृत्व में अणवाणा तिराहा के पास एचपी पेट्रोल पम्प के सामने संदिग्ध व्यक्ति की घेराबंदी कर नाम-पता पूछा तो अपना नाम सुरेश पुत्र रमेशराम विश्नोई होना बताया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक : एफ( )/निविदा/2025-26/1854-1858 दिनांक 18.09.2025

NOTCE INVITING BID
NIT NO 24-28/ 2025-26

Bids for NRM Works Under PMKSY-2.0 project area in Jalore and Sanchore of estimated Value INR 1259.58 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 08-10-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://Sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB NO.	UBN NO.
NIT-24/2025-25	Sub Surface Beriour, Nadi, Anicut, Khadin and Rooftop Tanka (Ahore)	WSC2526A0736	WSC2526WSRC01278
NIT-25/2025-25	Sub Surface Beriour, Nadi, Anicut, Sunken Pond, Khadin with pakka weist wear, Farm Pond, Tanka with Agor and Rooftop Tanka (Ahore)	WSC2526A0738	WSC2526WSRC01280
NIT-26/2025-25	Tanka and Farm Pond Nirman (Sanchore)	WSC2526A0739	WSC2526WSRC01281
NIT-27/2025-25	Anicut/Pakka check Dam, Farm Pond, Khadin, Amritsarovar, Mini Parcolation Tank, Parcolation Tank, Earthen Check Dam, Sunken Pond and Recharge Shaft (Jaswantpura)	WSC2526A0740	WSC2526WSRC01282
NIT-28/2025-25	Anicut/Pakka check Dam, Farm Pond, Khadin, Amritsarovar, Mini Parcolation Tank, Parcolation Tank, Earthen Check Dam, Sunken Pond and Recharge Shaft (Chitalwana)	WSC2526A0741	WSC2526WSRC01284

(Laxman Singh Sandu)
SE & PMWCDC,
ZILA PARISHAD, JALORE
DDO CODE NO. 28606

Raj.Samwad/C/25/10621

गांधी हमारे लिए सिर्फ एक चित्र नहीं, बल्कि विचार हैं : सचिन पायलट

सचिन पायलट प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक ''महात्मा गाँधी-एक अत्यंत संक्षिप्त परिचय'' का विमोचन किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ए.आई.सी.सी. महासचिव और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि कुछ लोगों के लिए महात्मा गाँधी केवल एक तस्वीर हैं, जिन्हें वे स्वच्छता अभियान या किसी प्रतीकात्मक आयोजन में इस्तेमाल तो कर लेते हैं, परंतु गांधी के विचारों और सिद्धांतों से उनका कोई सरोकार नहीं है। वे गांधी को अडॉप्ट करने की बात करते हैं, जिससे यह साफ़ झलकता है कि वे अब तक गांधी को प्रेम नहीं करते थे और केवल सुविधा पड़ने पर ही गांधी का सहारा लेते हैं। हमारे लिए गांधी एक विचार हैं, एक दृष्टि हैं, एक सोच हैं। जबकि उनके लिए गांधी सलेक्टिव पिकिंग का साधन हैं। खादी, चरखा और सफाई तक तो उन्हें गांधी याद आते हैं, लेकिन गांधी जी की क़ौमी एकता और सर्वधर्म समभाव की बात उन्हें असहज कर देती है। इतना ही नहीं, उनमें गांधी जी के प्रिय भजन ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान गाने की भी हिम्मत नहीं है। सचिन पायलट शनिवार को जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक ''महात्मा गाँधी-एक अत्यंत संक्षिप्त परिचय'' के विमोचन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि नरेश दाधीच के लिए गांधी केवल एक विषय नहीं, बल्कि उनका जुनून हैं। वे गांधी के विशुद्ध प्रेमी हैं और गांधी पर उनका गहरा अध्ययन है। वे लगातार गांधी की प्रासंगिकता पर लिखते रहे हैं और आज की नौजवान पीढ़ी को गांधी से जोड़ने के उनके प्रयास सराहनीय हैं।

पायलट ने कहा कि गांधी किसी व्यक्ति या दल की संपत्ति नहीं हैं। उन्होंने विचारधारा से ऊपर उठकर एक मज़बूत राष्ट्र का सपना देखा। जनता उनके शब्दों को इसलिए स्वीकार करती थी क्योंकि उनके व्यक्तित्व में नैतिक बल था, विश्वास था। उन्होंने कभी जनता का भरोसा नहीं तोड़ा और उनका एकमात्र हित देश की भलाई में निहित था। बिना युद्ध लड़े देश को आज़ादी दिलाना, ये गांधी की शक्ति थी। राजनीति में विश्वास सबसे बड़ी ताक़त है। यह वह संपत्ति है जिसे अर्जित करने में वर्षों लगते हैं, और यह किसी बाज़ार में बिकने वाली वस्तु नहीं है।

ए.आई.सी.सी. महासचिव और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने शनिवार को जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक ''महात्मा गाँधी-एक अत्यंत संक्षिप्त परिचय'' का विमोचन किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार नीरजा चौधरी तथा पुस्तक के लेखक प्रो. नरेश दाधीच समेत कई लोग मौजूद थे।

- **पायलट ने कहा कि ''कुछ लोगों के लिए महात्मा गाँधी केवल एक तस्वीर हैं, जिन्हें वे स्वच्छता अभियान या किसी प्रतीकात्मक आयोजन में इस्तेमाल तो कर लेते हैं, परंतु गांधी के विचारों और सिद्धांतों से उनका कोई सरोकार नहीं है।''**
- **वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार नीरजा चौधरी ने कहा कि ''सचिन पायलट ने राजस्थान में कांग्रेस के लिए अथक परिश्रम किया है। राजस्थान के युवा उत्सुक हैं और उनकी आतुरता है कि सचिन पायलट को अवसर मिले तो वे देश-प्रदेश में नए परिवर्तन ला सकते है।''**

उन्होंने आगे कहा कि आज गांधी को प्रासंगिक बनाना सबसे बड़ी ज़रूरत है। नौजवान पीढ़ी में गांधी के प्रति जिज्ञासा पैदा करना अनिवार्य है। इस पीढ़ी के पास लंबी किताबें पढ़ने का धैर्य नहीं है, इसलिए यह संक्षिप्त जीवनी उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

उन्होंने लोकतंत्र और सत्ता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सत्ता के मोह से लोकतंत्र की मज़बूती नहीं होती। स्वयं के बारे में बोलते हुए पायलट ने कहा कि राजनीति उनके लिए समाज में सकारात्मक बदलाव और सेवा का माध्यम है।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार नीरजा चौधरी ने कहा कि सचिन पायलट ने राजस्थान में कांग्रेस के लिए अथक परिश्रम किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के युवा उत्सुक हैं और उनकी आतुरता है कि सचिन पायलट को अवसर मिले तो वे देश-प्रदेश में नए परिवर्तन ला सकते हैं। नीरजा चौधरी ने कहा कि उनके मन में सवाल था कि गांधी की मृत्यु के अठत्तर साल बाद एक राजनीति विज्ञानी ने यह किताब क्यों लिखी, और इसका जवाब लेखक ने स्वयं दिया कि यह पुस्तक जनरेशन जी को ध्यान में रखकर लिखी गई है। गांधी का जीवन सुबह से लेकर शाम तक अनुशासित और प्रतिबद्धता से भरा हुआ था। आज की पीढ़ी के लिए गांधी के मूल्यों को फिर से प्रासंगिक बनाना आवश्यक है, और यह किताब उस दिशा में एक नई बहस को जन्म देगी।

पुस्तक के लेखक प्रो. नरेश दाधीच ने स्वागत भाषण में कहा कि सचिन पायलट भविष्य के नहीं, बल्कि वर्तमान के नेता हैं। वे पिछले पच्चीस वर्षों से राजनीति में सक्रिय हैं। वे अथक परिश्रमी, ज़मीन से जुड़े और संयमित वक्ता है।

अपनी पुस्तक पर बोलते हुए दाधीच ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी गांधी से विमुख होती जा रही है, जबकि गांधी ने अपने अधिकांश आंदोलन युवाओं की शक्ति से चलाए थे। स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी युवाओं के सबसे बड़े नेता थे, फिर आज क्यों नहीं? इसी प्रश्न ने उन्हें यह पुस्तक लिखने के लिए प्रेरित किया। आज का युवा बदलाव चाहता है और अन्याय का विरोध करना उसकी प्रवृत्ति है। गांधी ने यही सिखाया कि अन्याय का विरोध अहिंसा से किया जाए। पूरी दुनिया आज गांधी को अन्याय के विरोध का प्रतीक मानती है। ज़रूरत है कि युवा पीढ़ी के सामने गांधी को उसी रूप में प्रस्तुत किया जाए जैसे वे वास्तव में थे। गांधी ने अपनी भूलों को स्वीकार किया, और यह वही कर सकता है जिसका दिल और दिमाग बड़ा हो।

शहरी निकाय के चुनाव टालना उचित नहीं, चुनाव कराने के लिए उठाए जरूरी कदम : हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने कहा कि संवैधानिक प्रावधान के बावजूद राज्य सरकार और चुनाव आयोग ने नगर पालिकाओं के चुनाव कराने के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि संवैधानिक प्रावधान के बावजूद राज्य सरकार और चुनाव आयोग ने नगर पालिकाओं के चुनाव कराने के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया है। याचिकाकर्ताओं का कार्यकाल गत जनवरी माह में पूरा हो चुका है। ऐसे में एसडीओ को प्रशासक लगाया गया, लेकिन यह व्यवस्था केवल छह माह के लिए ही हो सकती है। लंबे समय तक चुनाव नहीं होने से स्थानीय स्तर पर शासन शून्यता पैदा हो सकती है, जिससे शहरी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर गतिविधियां प्रभावित होगी। नगर पालिकाओं के चुनाव में अनुचित देरी की स्थिति में राज्य निर्वाचन आयोग के लिए जरूरी हो जाता है कि वह मामले में हस्तक्षेप करे और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बहाल करने के लिए जरूरी उपाय करे।

इसके साथ ही अदालत ने उचित कार्रवाई के लिए आदेश का कॉपी मुख्य सचिव, राज्य भारतीय निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग को भेजी है। वहीं अदालत ने याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें अध्यक्ष पद पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश उर्मिला अग्रवाल व अन्य की याचिकाओं पर दिए।

- **अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं का कार्यकाल गत जनवरी माह में पूरा हो चुका है। ऐसे में एसडीओ को प्रशासक लगाया गया, लेकिन यह व्यवस्था केवल छह माह के लिए ही हो सकती है। लंबे समय तक चुनाव नहीं होने से स्थानीय स्तर पर शासन शून्यता पैदा हो सकती है, जिससे शहरी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर गतिविधियां प्रभावित होगी।**

याचिकाओं में अधिवक्ता जीएस गौतम सहित अन्य वकीलों ने कहा कि याचिकाकर्ता जनवरी, 2020 में अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में सरपंच बने थे। वहीं जून, 2021 में स्वायत्त शासन विभाग ने कुछ ग्राम पंचायतों को शहरी निकाय में शामिल कर लिया और चुने हुए याचिकाकर्ताओं को सरपंच और उप सरपंचों को शहरी निकाय में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष बना दिया। याचिका में कहा गया कि गत 22 जनवरी को राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि उनका पांच साल का कार्यकाल पूरा हो गया है और उनके स्थान पर प्रशासनिक अधिकारी को प्रशासक लगा दिया, जबकि कई अन्य ग्राम पंचायतों में कार्यकाल पूरा होने के बाद भी सरपंचों को प्रशासक लगा रखा है। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को हटाकर उनके साथ भेदभाव किया गया है। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि याचिकाकर्ता अदालत से अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर बने रहने के लिए आदेश जारी करने की गुहार कर रहे हैं।

जबकि यह आदेश तभी दिया जा सकता है, जब याचिकाकर्ताओं के कानूनी अधिकार की अवहेलना हो। जबकि याचिकाकर्ताओं का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। दोनों पक्षों की बहस सुनकर अदालत ने याचिकाओं को खारिज करते हुए जल्दी चुनाव कराने की मंशा जताई है।

सनातन संस्कृति की धड़कन है संस्कृत : देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को संस्कृत भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की धकड़न और मानव सभ्यता की नींव है। वे मानसरोवर स्थित परिष्कार कॉलेज में संस्कृत भारती द्वारा आयोजित ''भविष्याय संस्कृतम्'' विषयक संभाषण शिविर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

देवनानी ने इस अवसर पर बताया कि राजस्थान विधानसभा के 21 नवनिर्वाचित विधायकों द्वारा संस्कृत में शपथ लेना एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है, जो संस्कृत के पुनर्जागरण की दिशा में एक सशक्त कदम है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि संस्कृत, ऋषि-मुनियों की देव भाषा होने के साथ-साथ विज्ञान की दृष्टि से भी सर्वोत्तम मानी जाती है। उन्होंने बताया कि नासा जैसे संस्थान भी कंप्यूटर विज्ञान में संस्कृत की संभावनाओं पर शोध कर रहे हैं। जर्मन वैज्ञानिक संस्कृत ग्रंथों का अध्ययन कर शोध और आविष्कार कर रहे हैं। संस्कृत में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देवनानी ने ''अभिनव प्रयास'' बताया और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी का जुड़ाव संस्कृत से गहराता जा रहा है, जो भाषा के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संस्कृत केवल परंपरा का विषय नहीं, बल्कि रोजगार का भी सशक्त माध्यम है।

राज्य के विश्वविद्यालयों में ज्योतिष, कर्मकांड जैसे विषयों के विशेष पाठ्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें और समाज में संस्कृत का व्यावहारिक उपयोग बढ़े। इस अवसर पर जयपुर नगर निगम की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, सुरेश सोनी और जय प्रकाश गौतम ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। समारोह में संस्कृत के विद्वान, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सर्व समाज रैली का ऐलान किया

जयपुर। राष्ट्रीय लोकदल ने राजस्थान की राजनीति में तीसरे मजबूत विकल्प के रूप में उतरने का ऐलान करते हुए राजधानी जयपुर और भरतपुर के बयाना में दो बड़े आयोजन करने की घोषणा की है। पार्टी 22 सितंबर को जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में लीडरशिप कैंप आयोजित करेगी, वहीं 5 अक्टूबर को बयाना में एक ऐतिहासिक सर्वसमाज एकता रैली का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना ने शनिवार को पिंक सिटी प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि 1980 के दशक में राजस्थान में 50 से अधिक विधायक और कई मंत्री थे। अब वही दौर दोहराने का समय आ गया है। इस बार पार्टी भाजपा और कांग्रेस को सीधी टक्कर देगी और जनता को एक सशक्त विकल्प देगी। 22 सितंबर को होने वाले लीडरशिप कैंप में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री त्रिलोक त्यागी और प्रदेश प्रभारी मलूक नागर विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। ये दोनों नेता संगठन, अनुशासन, रणनीति और आगामी कार्यक्रमों पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देंगे।

16 देशों के छात्रों ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

जयपुर में ''रन फॉर आयुर्वेद'' का आयोजन हुआ

जयपुर । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर की ओर से 10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित ''रन फॉर आयुर्वेद'' रैली ने आमजन को आयुर्वेद से जोड़ने और निरोगी जीवन की प्रेरणा देने का कार्य किया। इस अवसर पर 16 देशों से आए छात्रों समेत लगभग 2000 प्रतिभागियों ने भाग लेकर आयुर्वेद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इस जागरूकता रैली की शुरुआत राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से होकर हवामहल और बड़ी चौपड़ तक हुई। रैली का आयोजन संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा, संयुक्त निदेशक जेपी शर्मा, उपनिदेशक प्रशासन चंद्रशेखर शर्मा, एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ।

कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुनील यादव ने बताया कि रैली का मुख्य उद्देश्य आम जनता को आयुर्वेद और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। रैली के उपरांत आयोजित प्रेस वार्ता में कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से अब हर वर्ष 23 सितम्बर को आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो रहा है। वर्तमान में संस्थान में 16 देशों के विद्यार्थी आयुर्वेद चिकित्सा में अध्ययन और अनुसंधान कर रहे हैं। प्रो. शर्मा ने बताया कि संस्थान में आयुर्वेद चिकित्सा के साथ आधुनिक तकनीकों का समावेश किया जा रहा है, जिससे कैंसर, दंत रोग, नेत्र रोग सहित विभिन्न रोगों के इलाज में लोगों को लाभ मिल रहा है। जल्द ही संस्थान में नया अत्याधुनिक ओपीडी ब्लॉक भी शुरू होने जा रहा है। कुलपति ने बताया कि संस्थान द्वारा स्पेशली एबल्ड बच्चों के इलाज हेतु बाल संवर्धन केंद्र, नशा मुक्ति इकाई, और ऑनलाइन ओपीडी रजिस्ट्रेशन जैसी सेवाएं शुरू की गई हैं। इसके साथ ही, पंचकर्म विभाग और अन्य विशिष्ट चिकित्सा विभागों में देश-विदेश से हर साल लाखों मरीज इलाज के लिए आते हैं।

संस्थान में प्राचीन आयुर्वेद ग्रंथों और पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु पांडुलिपि विज्ञान विभाग कार्यरत है, जो पूरे भारत में अपनी तरह की एकमात्र नोडल एजेंसी है। इसके अलावा, पेड़-पौधों की चिकित्सा के लिए एक विशेष वृक्ष आयुर्वेद विभाग भी स्थापित किया गया है।

इस मौके पर संस्थान के चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. अनुपम श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक जेपी शर्मा, मीडिया प्रभारी डॉ. राकेश नागर, डॉ. रितेश, डॉ. तरुण, और जनसंपर्क अधिकारी विनोद सैन भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से हवामहल और बड़ी चौपड़ तक शनिवार को ''रन फॉर आयुर्वेद'' रैली निकाली गई।

पूर्व डी.जी. पुलिस पीसी मिश्रा का निधन

जयपुर । राजस्थान के पूर्व पुलिस महानिदेशक पूर्णचंद मिश्रा (पीसी मिश्रा)का शनिवार सुबह सवाई मानसिंह अस्पताल में देहांत हो गया। वे कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। उनका दाह संस्कार रविवार को किया जायेगा। वे 26 जून 1985 से 31 जनवरी 1988 तक पुलिस महानिदेशक के पद पर रहे। मूलत: गुहावाटि के रहने वाले पीसी मिश्रा अपने पीछे दो पुत्रों समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गये है। उनके एक बेटे अमेरिका में है, जबकि दूसरे बेटे कोलकाता में व्यवसाय करते है। स्व. मिश्रा की धर्मपत्नी सविता मिश्रा का वर्ष 2012 में निधन हो गया था।

'हिंदू चिंतन ही विश्व समस्याओं का समाधान'

जयपुर । हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान, राजस्थान द्वारा आज जयपुर स्थित होटल रेडिसन, खासा कोठी में एक प्रबुद्धजन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भाग्येश भाई झा (चेयरमैन, गुजरात साहित्य अकादमी एवं सेवा निवृत्त अधिकारी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल उपस्थित रहे। भाग्येश भाई झा ने भारत का भविष्य, मानवीय मूल्य एवं प्रौद्योगिकी विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि हिंदू दर्शन और चिंतन ही विश्व की सभी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने सनातन संस्कृति और तकनीकी के सामंजस्य को शांति और स्थायित्व का आधार बताया।प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने विकसित भारत में हिंदुत्व की भूमिका विषय पर बोलते हुए कहा कि विकसित भारत का अर्थ है - स्वदेशी पर गर्व, नागरिक कर्तव्यों का पालन और पारिवारिक व्यवस्था की मजबूती। उन्होंने जनसंख्या असंतुलन जैसे मुद्दों पर समाज स्तर पर संवाद की आवश्यकता बताई। संस्थान के सचिव सोमकांत शर्मा ने हिंदू जीवन पद्धित की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज को पुन: भारतीय परंपराओं को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने मठ-मंदिरों और सामाजिक संस्थाओं के कार्यों को समाज में सामने लाने का आव्हान किया।

बटवाडा का जन्मदिन मनाया

जयपुर । किशनपोल से भाजपा के प्रत्याशी एडवोकेट चन्द्र मनोहर बटवाडा का जन्मदिन उनके निवास पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक पूजन और हवन से हुई। दोपहर 2 बजे से देर शाम तक बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। जन्मदिन कार्यक्रम में किशनपोल विधानसभा के तीनों मंडलों-चांदपोल, किशनपोल और जौहरी बाजार के मंडल अध्यक्ष कपिल गुर्जर, कुलदीप शर्मा और दीपक शर्मा अपने-अपने पार्षदों, पार्षद प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं के साथ गाजे-बाजे के साथ पहुंचे। तीनों मंडल अध्यक्षों ने बटवाडा को तलवार भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और केक कटवाया। कार्यक्रम में लगभग 4000 से अधिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

चलती कार से हवाई फायरिंग करने वाले गिरफ्तार

जयपुर । रामनगरिया थाना पुलिस ने फायरिंग मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार व वारदात में प्रयुक्त कार जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में सोशल मीडिया से प्रभावित होकर गैंग बनाने और वर्चस्व बढ़ाने के लिए हवाई फायर करना कबूल किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि रामनगरिया थाना पुलिस ने फायरिंग मामले में बदमाश कमलेश कुमार बैरवा (27) निवासी पापड़दा जिला दौसा और नरेश कुमार (24) निवासी जयसिंहपुरा रामनगरिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देसी पिस्टल और दो कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त एक कार भी जब्त की है।

चलते ट्रेलर में अचानक लगी आग, चालक ने नीचे कूदकर जान बचाई

ट्रेलर का केबिन पूरी तरह जलकर कबाड़ में तब्दील, बड़ा हादसा टला

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके के जयपुर-दिल्ली हाईवे पर शनिवार सुबह चलते ट्रेलर में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। इस दौरान वक्त रहते चालक ने ट्रेलर से कूदकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। वहीं सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पा लिया। हालांकि आग लगने से ट्रेलर का केबिन पूरी तरह जलकर कबाड़ में तब्दील हो गया। पुलिस के मुताबिक शॉर्ट सर्किट होने की कारण ट्रेलर में आग लग गई।

थानाधिकारी प्रभु राम ने बताया कि हादसा शनिवार सुबह 10 बजे जयपुर-दिल्ली हाईवे पर हुआ था। जहां जयपुर से लोहे की पत्तियों का रोल लेकर ट्रेलर दिल्ली की तरफ जा रहा था। हाईवे पर अप्पू घर से आगे निकलते ही इलाके में चलते ट्रेलर के केबिन से धुआं उठने लगा। देखते ही देखते हवा लगने से कुछ ही देर में आग की भीषण लपटें उठने लगी।

- **पुलिस के मुताबिक शॉर्ट सर्किट के कारण ट्रेलर में आग लगी थी,फायर बिग्रेड की मदद से आधे घंटे में आग पर काबू पाया गया**

आग देखकर चालक ने तुरंत ट्रेलर को हाईवे किनारे रोक दिया और कूदकर अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में ट्रेलर का केबिन पूरी तरह आग की चपेट में आ गया। जिसकी सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचीं।

पुलिस ने फायर बिग्रेड की गाड़ी की मदद से करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस का कहना है कि शॉर्ट सर्किट से लगी आग के चलते ट्रेलर का केबिन जलकर कबाड़ में बदल गया।

ट्रेफिक जाम और युवाओं की भीड़ में फंसे वाहन चालक

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती परीक्षा के कारण बीते 2 दिनों से राजधानी जयपुर में युवाओं व परीक्षार्थियों का रैला उमड़ा हुआ है। शनिवार शाम को जैसे ही परीक्षा खत्म हुई तो जयपुर के 200 फीट बायपास पर युवाओं की भीड़ एक साथ उमड़ी। यहां पर मेट्रो प्रोजेक्ट के कारण पहले से ही आधी सड़क पर आवाजाही बंद है। ऐसे में एकाएक बढ़ी भीड़ के बीच वाहन चालक फंसकर रह गए, जिन्हें अपने गंत्व्य तक पहुंचने के लिए लंबी कतारों में फंसकर परेशान होना पड़ा। फोटो-राष्ट्रदूत

ईओ के ई-मित्र संचालकों को कड़े निर्देश, चेतावनी दी

छबड़ा (निसं)। शहरी सेवा षिविर के तहत ई-मित्र संचालक फाईलों के नाम पर जमकर चांदी कूट रहे हैं। जिससे आमजन स्वयं को ठगा सा महसूस कर रहा हैं। इस पर कार्यवाहक ईओ ने ऐसे ई-मित्र संचालको को कडे निर्देषित देते हुए षिकायत मिलने के उपरांत नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी है। कार्यवाहक ईओ यादवेंद्र यादव ने बताया कि शहरी सेवा शिविर 17 सितम्बर से शुरू हो चुके हैं। उनके संज्ञान में आया कि क ई-मित्र संचालक आमजन से संबंधित कार्यों की फाइलों के लिए अधिक राशि वसूल रहे हैं। ई-मित्र संचालक आवेदकों से सभी कार्य करवाने का ठेका लेकर उनसे मनमानीपूर्वक पैसे लूट रहे हैं। शिकायत मिलने के उपरांत त्वरित कार्रवाई की जाएगी। आमजन से अपील कि है कि कैंपों में ही ई-मित्र संचालकों की व्यवस्था की गई है, वे अपने ई-मित्र से संबंधित कार्य वहीं से करवाए और कैंपों में आने के बाद जानकारी लेने के पश्चात् ही पत्रावलियां ऑनलाइन कराए ताकि अनावश्यक खर्चा न हो।

टूटी सड़कों की मरम्मत कर सुगम बनाएं, बजट घोषणा के कार्यों में तेजी लाएं : ऊर्जा मंत्री

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने शनिवार को सर्किट हाऊस में पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा भी मौजूद रहे। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने बजट घोषणा के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट ली।

वहीं विधायक कोष, नरेगा के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बरसात का दौर अब जा चुका है। ऐसे में, जहां पर सड़कें टूटी हुई हैं। उनके निर्माण तुरंत कराकर सभी रास्तों को सुगम बनाया जाए। जहां सड़कों की स्थिति ज्यादा खराब है। वहां प्राथमिकता से सड़क दुरुस्तीकरण हो। इसके साथ ही बजट घोषणाओं में जो काम स्वीकृत हुए हैं। उन कार्यों के निर्माण में भी तेजी लाई जानी चाहिए। ऊर्जा मंत्री नागर ने अधिकारियों से कहा कि जल भराव वाले स्थानों पर निकासी के कार्य अभी से प्रारम्भ करें। ताकि अगले वर्ष यहां जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।

कोटा में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए हैं।

- ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की बैठक ली

तालाब, नाला, सड़क आदि के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। सभी कार्यों की अधिकारी मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि पूर्व में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी शमसान को लेकर निर्देश दिए थे। हर गांव में शमशान तक अप्रोच सड़क निर्माण कराया जाए। शमशान को आबादी में मानकर ही कार्य कराए जाएं। नागर ने कहा कि गांव में कीचड़ का स्थाई समाधान होना चाहिए। वहीं सड़कों की चौड़ाई भी पर्याप्त हो, इसका ध्यान रखें। सड़कों के किनारों पर जो बंबूल और झाड़-झंकार उगते हैं, उन्हें समय पर हटाया जाए। जलभराव के स्थान पर ड्रेनेज सिस्टम पर्याप्त हो और उनकी सफाई की भी पूर्ण व्यवस्था होनी चाहिए। नहरी पानी सड़कों को खराब ना करें इसको ध्यान में रखा जाना चाहिए।

हाईकोर्ट बैंच की मांग को लेकर वकीलों ने रैली निकालकर प्रदर्शन किया

कोटा, (निसं)। पिछले लम्बे समय से चली आ रही हाईकोर्ट बैंच की स्थापना की मांग को लेकर शनिवार को बार एसोसिएशन द्वारा न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया गया तथा वकीलों ने रैली निकालकर जिला कलेक्ट्री पर प्रदर्शन कर मुख्य न्यायाधीश एवं मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। अभिभाषक परिषद के अध्यक्ष मनोज पुरी ने कहा कि हाड़ौती क्षेत्र की जनता गत 25 वर्षों से हाईकोर्ट बेंच की माँग को लेकर आंदोलन कर रही है तथा दूरदराज के क्षेत्र के सहरिया आदिवासी गरीब लोगों के लिए जयपुर जाकर न्याय प्राप्त करना बहुत कठिन होता है। हाईकोर्ट जयपुर में 40 प्रतिशत से अधिक कार्य कोटा संभाग का है, कोटा में रेल सड़क बिजली पानी की पर्याप्त सुविधा है इस कारण कोटा हर तरह से हाईकोर्ट बेंच की कसौटी पर खरा उतरता है। मनोज पुरी ने कहा कि कोटा की उपेक्षा कर अन्य स्थान पर बेंच खोली गई तो जबरदस्त आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में अभिभाषक परिषद के महासचिव अजय श्रृंगी सहित एडवोकेट महेश शर्मा, एडवोकेट अख्तर खान अकेला, एडवोकेट नवीन शर्मा, एडवोकेट प्रमोद शर्मा एडवोकेट श्याम चौधरी, एडवोकेट कन्हैया लाल शक्यवाल, एडवोकेट गोपाल चौबे, एडवोकेट रवि विजय, एडवोकेट रमेश कुशवाहा सहित कई एडवोकेट मौजूद थे।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अचल सम्पत्ति भूखण्ड संख्या 47, जिसकी पैमाइश 223.33 वर्गगज है जो वाके गायत्री विहार, ग्राम बोरखेड़ा, तहसील लाड़पुरा, जिला कोटा (राजस्थान) में स्थित हैं, उक्त भूखण्ड को नगर विकास न्यास कोटा से श्री निर्मल कुमार को जरिये रजिस्टर्ड पट्टा विलेख (लीज डीड) दिनांक 15.03.2013 जिसका पंजीयन दिनांक 24.03.2013 को प्राप्त हुई थी तत्पश्चात् श्री निर्मल कुमार सोलंकी उर्फ निर्मल कुमार टॉक ने उक्त भूखण्ड एवं अन्य सम्पत्ति का जरिये वसीयतनामा दिनांक 21.11.2017 को श्रीमती मीना कुमार के पक्ष में कर दिया, तत्पश्चात श्री निर्मल कुमार सोलंकी उर्फ निर्मल कुमार टॉक का स्वर्गवास दिनांक 25.01.2020 को हो गया, एवं श्री निर्मल कुमार सोलंकी उर्फ निर्मल कुमार टॉक के स्वर्गवास के पश्चात् उनके विधिक वारिसान् श्रीमती मीना कुमार वसीयतनामा दिनांक 21.11.2017 के अनुसार उक्त सम्पत्ति के संयुक्त रूप से मालिक व काबिज हो गई। तत्पश्चात् नगर विकास न्यास, कोटा द्वारा नाम हस्तान्तरण दिनांक 27.10.2021 को श्रीमती मीना कुमारी के पक्ष में जारी किया हुआ हैं, तत्पश्चात् श्रीमती मीना कुमारी ने उक्त भूखण्ड का बेचान करने का करार श्री शारिक खान एवं श्रीमती शाहिस्ता खान से कर लिया है। जिस बाबत् मेरे अभिभाष्य श्री शारिक खान पुत्र श्री शरिफ खान एवं श्रीमती शाहिस्ता खान पत्नी श्री शरिफ खान वित्तीय संस्था LIC Housing Finance Ltd. से ऋण ले रहे हैं, सर्वसाधारण को उक्त सम्पत्ति के विधिक वारिसान, मालीकाना हक, स्वामित्व कब्जे व अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो पन्द्रह दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करें अन्यथा आपत्ति शून्य अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

For SRM PARTNERS, KOTA
Off. No., 127, Santwani Sadan, Ballabh Bari, Kota M. 7737426847

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरी पक्षकारा श्रीमती रीना चावला पत्नी स्व. श्री कृपाल दास चावला आयु 62 वर्ष जाति सिन्धी निवासिनी फ्लेट नं. 301, शिव पैलेस, तृप्ति आवास, बजरंग नगर कोटा, राज. के पुत्र श्री निखिल चावला पुत्र कृपाल दास आयु 31 वर्ष निवासी c/o राजकुमार आहूजा फ्लैट नं. 101, 937/938, गेट वेल हॉस्पिटल के पास, दीनदयाल उपाध्याय नगर, कोटा राज. द्वारा श्रीमती ज्योति साह पुत्री दिनेश साह पता डी जेड 849, पटेल नगर, सेक्टर-4, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, हरियाणा से मेरी पक्षकारा की इच्छा के विरुद्ध दिनांक 29.05.2024 को विवाह कर लिया है और विवाह के पश्चात से ही मेरी पक्षकारा का पुत्र श्रीमती ज्योति साह के प्रभाव में होने से मेरी पक्षकारा के कहने में नहीं है और न ही उसकी कोई देखभाल करता है और आये दिन अपनी पत्नी ज्योति साह के उकसाने पर मेरी पक्षकारा की संपत्तियों को खुर्द-बुर्द करने और अपने नाम पर करने के लिए मेरी पक्षकारा के साथ लड़ाई-झगड़ा करता है जिसकी वजह से मेरी पक्षकारा मजबूर होकर अकेली निवास करती चली आ रही है और श्री निखिल चावला के कृत्यों से व्यथित होकर मेरी पक्षकारा अपने पुत्र श्री निखिल चावला को अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति, जात व जायदाद और अपनी मालिकाना हक की दुकान संख्या 179, न्यू क्लॉथ मार्किट, कोटा राज. से पूर्ण रूप से बेदखल करती है, और आज दिनांक के बाद से मेरी पक्षकार का श्री निखिल चावला और उसकी पत्नी ज्योति साह से कोई रिश्ता और सरोकार, लेना-देना नहीं होगा इसलिए कोई भी व्यक्ति उपरोक्त श्री निखिल चावला व ज्योति साह से मेरे पक्षकार की संपत्तियों और उपरोक्त दुकान के सम्बन्ध में कोई संव्यवहार न करे और यदि किसी के द्वारा फिर भी इनसे कोई संव्यवहार किया जाता है तो मेरी पक्षकारा के द्वारा की गई कानूनी कार्यवाही के फलस्वरूप होने वाले परिणामों व नुकसान की जिम्मेदारी ऐसे संव्यव्हारी की स्वयं की होगी।

कोटा
दिनांक 20.9.25

भवदीय
स्वाति चतुर्वेदी एडवोकेट

आम सूचना

मेरे मकान नं. 3-L-21 दादाबाडी विस्तार योजना कोटा के मूल दस्तावेजों में आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, इन्वेन्ट्री (भौतिक कब्जा) एवं अदेय प्रमाण पत्र कही गुम हो गये है। जिस किसी को मिले सूचित करें।

प्रेम लता खण्डेलवाल म.नं. 3-L-21 दादाबाडी वि.यो. कोटा मो.नं. 7597307327

खोया पाया

सोहन चंद पुत्र गाडरमल 1-E-15 कुन्हाड़ी कोटा के नो-ड्यूज सर्टिफिकेट के मूल दस्तावेज कहीं गुम हो गये है, किसी को मिलने पर सूचित करें।

हाड़ौती की चित्रशैली सर्वश्रेष्ठ, देशभर में है विख्यात

कोटा, (निसं)। कला साहित्य और सांस्कृतिक एवं पुरातत्व विभाग राजस्थान एवं राजस्थान ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित सांस्कृतिक सर्जन पखवाड़े के अंतर्गत कोटा में 20 से लेकर 25 सितम्बर तक लघु चित्रण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ शनिवार को कलादीर्घा में हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निखिलेश सेठी इंटक कन्वीनर कोटा चैप्टर एवं विशिष्ट अतिथि एएच जेदी हेरिटेज प्रमोटर हाड़ौती संभाग रहे। मां सरस्वती के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि निखिलेश सेठी ने कहा कि हाड़ौती की कला देश में विख्यात है, राजा-महाराजाओं के चित्र से लेकर यहां की संस्कृति, धरोहर और कला के प्रति जो रुझान है वह सराहनीय है।

- लघु चित्रण कार्यशाला का शुभारंभ, युवाओं में कला के प्रति दिखा उत्साह

कोटा कला दीर्घा में लघु चित्रण कार्यशाला आयोजित हो रही है।

उन्होंने कहा कि ए आई के समय में इस हाड़ौती की चित्रशैली को लेकर कई विचार आ रहे हैं, लेकिन ऐसा संभव है कि एआई के कारण यह कला और भी आगे बढ़ सकती है।

राष्ट्रीयस्तर के प्रसिद्ध चित्रकार शंभू सिंह चौबदार पांच दिनों तक बच्चों और बड़ों को हाड़ौती की चित्रशैली से अवगत कराएंगे और उन्हें चित्रण की बारीकियां सिखाएंगे।

चौबदार ने इस दौरान चार मिनट में हाड़ौती चित्र बनाया गया। उन्होंने कहा कि हाड़ौती की चित्र शैली को सीखना है तो संयम और एकाग्रहता बेहद आवश्यक है। हाड़ौती के हेरिटेज प्रमोटर एएच जेदी ने कहा कि हाड़ौती चित्र शैली में चित्रों की बड़ी श्रृंखला है, युवाओं का यहां आना इस कला के प्रति रुझान दिखाने से लगता है कि इस कला को और आगे ले जाया जा सकता है। शिविर के समन्वयक डॉ. राकेश सिंह ने बताया कि पांच दिवसों तक चलने वाले शिविर में हाडोती चित्र कला की बारीकियां सिखाई जाएगी।

सांस्कृतिक सर्जन पखवाड़े के दौरान सभी को प्रशिक्षण दिया जाएगा। नि:शुल्क प्रशिक्षण को कोई भी विद्यार्थी एवं अन्य यहां आकर प्राप्त कर सकता है। इस शिविर के माध्यम से हाड़ौती की विरासत को बचाने का प्रयास है और युवाओं को इससे जोड़ने से नई सोच के साथ कला को उच्च स्थान प्राप्त होगा। इस दौरान साहित्यकार गोविंद हांकला, हाड़ौती चित्रशैली के ज्ञाता, कलाकार, कलाप्रेमी, स्टूडेंट और आमजन उपस्थित रहा।

प्रचार-प्रसार के अभाव में शहरी सेवा शिविर का आमजन को नहीं मिल रहा लाभ

छबड़ा (निसं)। राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे शहरी सेवा शिविर का आमजन को प्रसार प्रसार के अभाव में लाभ नही मिल पा रहा है। कांग्रेस नगर अध्यक्ष का कहना है कि राज्य सरकार द्वारा शिविर के नाम पर लोगों को ठगा जा रहा हैं, इन शिविरो में आमजन को किसी प्रकार की छूट नही मिलने के कारण यह शिविर फ्लॉप शो साबित हो रहे है।

नगर अध्यक्ष हरीश माहेश्वरी ने बताया कि शिविरों में साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत, नई लाइट लगाने, टूटे फेरे कवर, क्रॉस व ब्लैक स्पॉट दुरुस्ती, सड़क पेचवर्क, सार्वजनिक पार्क व शौचालय मरम्मत, सीवरेज कनेक्शन व रिपेयर कार्य जैसे मूलभूत कामों के अलावा कार्यालय में लंबित पत्रावलियों का निस्तारण, पट्टे जारी करना स्टेट ग्रांट, कच्ची बस्ती, 69-ए कृषि भूमि आदि भू-उपयोग परिवर्तन, नामांतरण व भवन निर्माण मंजूरी, ट्रेड लाइसेंस, फायर एनओसी, स्ट्रीट वेंडर रजिस्ट्रेशन, जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, एसबीएम 2.0 आदि योजनाओं के आवेदन निपटाए जाने का प्रावधान है।

- कांग्रेस नगर अध्यक्ष का कहना है कि राज्य सरकार द्वारा शिविर के नाम पर लोगों को ठगा जा रहा है

लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कहीं जिम्मेदार अधिकारी समय पर मौजूद नहीं रहते, तो कहीं शिविरों की सूचना आम लोगों तक पहुँच ही नहीं पाती।

यही नहीं, मीडिया को भी शिविरों की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा रही। शिविरों में कितने लाभार्थियों के काम हुए, इसका ब्यौरा तक साझा नहीं किया जा रहा। नतीजा यह कि पूरी पारदर्शिता पर सवाल खडे हो रहे हैं।

नगर अध्यक्ष माहेश्वरी ने बताया कि उनकी कांग्रेस सरकार में आमजन को पालिका से संबंधित सभी कार्यों में भरपूर छूट दी गई थी और हजारों लोगों को शिविर से लाभांवित किया जा चुका हैं। परंतु, भाजपा सरकार शिविर के नाम पर छूटी वाही-वाही लूट रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शिविरों का प्रबंधन और प्रचार-प्रसार बेहतर किया जाए तो यह अभियान बेहद उपयोगी साबित हो सकता है अन्यथा यह भी केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा।

दो किलो मादक पदार्थ अफीम सहित गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान को जारी रखते हुए मुखबीर की सूचना पर नीमच जिले के जावद तहसील में मोरवन के पास कार्यवाही करते हुए 2.700 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम सहित तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उपनारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई। उपनारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से अवैध मादक पदार्थ अफीम लेकर सप्लाई के लिये जा रहा है। उक्त सूचना पर सीबीएन कोटा की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके पर रवाना किया गया। उपनारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और उक्त व्यक्ति की सफलतापूर्वक पहचान करने के बाद उसे मोरवन के पास रोक लिया गया। उपनारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति ने भागने कोशिश की, लेकिन निवारक दल ने उसे पकड़ लिया।

नाम परिवर्तन

मैं, हवलदार लिम्बुले पांडुरंग एस (रैक नं. 15680988N), निवासी ग्राम म्हालुंगी, पोस्ट म्हालुंगी, तहसील चाकुर, जिला लातूर (महाराष्ट्र) घोषणा करता हूँ कि मेरे पुत्र का नाम रिकॉर्ड में तुलशीराम है, जबकि सही नाम तुलसीराम पांडुरंग लिम्बुले है।

मैं ज्योति पांडुरंग लिम्बुले, पत्नी हवलदार लिम्बुले पांडुरंग एस (रैक नं. 15680988N), निवासी ग्राम-म्हालुंगी, पोस्ट-म्हालुंगी, तहसील-चाकूर, जिला-लातूर, महाराष्ट्र-413513, सूचित करती हूँ कि मेरा सही नाम ज्योति पांडुरंग लिम्बुले है।

नाम परिवर्तन

मै खुशबू सेन (अधीक्षक संस्कार चिल्ड्रन केयर होम बालिका गृह नयापुरा कोटा) सूचित करती हूं कि हमारे संस्थान में एक बालिका का नाम रियान पुत्री स्व. भजनलाल हो रहा है जबकि उसके राशन कार्ड में उसका सही नाम निहाल बाई पुत्री दुर्गालाल है जो कि सही है। भविष्य में उसे निहाल बाई नाम से जाना जाए।

नाम परिवर्तन

पूर्व में मेरा नाम गल्ती से मोना बाई पुत्री जालिम सिंह जादौन कर दिया था, जबकि मेरा सही नाम मोना है। भविष्य में मुझे मोना पुत्री जालिम सिंह जादौन के नाम से जाना जावें। **पता-मोना, सी-160 मदर टेरेसा की गली इन्द्रा कॉलोनी विज्ञान नगर, कोटा**

पश्चिम मध्य रेल

मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक) पश्चिम मध्य रेलवे/कोटा द्वारा टर्न की के आधार पर निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र पर खुली निविदा (सिंगल पैकेट सिस्टम में) भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से पर्याप्त अनुभवी एवं वित्तीय क्षमता रखने वाली प्रतिष्ठित फर्म/कम्पनी से IREPS पोर्टल पर आमंत्रित की जाती है। निविदा IREPS पोर्टल पर दिनांक 10.10.2025 को 15:00 बजे बंद हो जायेगी तथा उसी दिन 15:30 बजे पर खोली जायेंगीः- टैंडर नं.: वरि.म.या.अभि/प.म.रे/कोटा/13-2025-26, कार्य का विवरणः कोटा-यात्री गाड़ियों के लिए कोटा स्टेशन पर सभी प्लेटफार्मों पर स्काडा आधारित त्वरित जल व्यवस्था में सुधार का कार्य, अनुमानित लागतः ₹ 8,45,38,521.66, बयाना राशिः ₹ 5,72,700.00, कम्लीशन पीरियडः 15 माह, निविदा बंद होने की दिनांक एवं समयः 10.10.2025 at 15:00, निविदा खुलने की दिनांक एवं समयः 10.10.2025 at 15:30. नोटः रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर डाली गई ई-निविदा सूचना में सम्पूर्ण विवरण उपलब्ध है। सम्पूर्ण निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट से उतारा जा सकता है। (हस्ता.)

मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक)
पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

देश संविधान से चलता है लोकतंत्र की हत्या से नहीं : देशराज मीणा

कोटा, (निसं)। देशभर में हो रही कथित वोटो की चोरी के खिलाफ व लोकतंत्र को बचाने के लिए एआईसीसी, पीसीसी के निर्देश पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से शनिवार को कांग्रेस कार्यालय, गुमानपुरा में वोट की चोरी एवं लोकतंत्र को बचाने के लिए मोदी सरकार के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाकर वरिष्ठ नेताओं सहित कांग्रेसजनों ने पीसीसी से आये फॉर्म में हस्ताक्षर कर शुरुआत की गई।

हस्ताक्षर अभियान की बैठक को संबोधित करते हुए कोटा प्रभारी देशराज मीणा ने कहा कि देश संविधान से चलता है लोकतंत्र की हत्या से नहीं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी चुनाव आयोग को फर्जी वोटर की लिस्ट बता रहे है और चुनाव आयोग हलफनामा मांग कर देश की जनता का ध्यान भटका रहे है।

लोकसभा प्रत्याशी रहे प्रहलाद गुंजल ने कहा कि राहुल गांधी ने वोटों की चोरी का पर्दाफाश किया है देश की जनता के सामने वोटो की चोरी का वीडियो सार्वजनिक कर दिया है लेकिन चुनाव आयोग घबराहट में अनर्गल बयानबाजी कर जवाब देने से कतरा रहे है उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग बीजेपी प्रवक्ता के रूप में जवाब दे रहे ये लोकतंत्र की हत्या है इस हस्ताक्षर अभियान को आगे बढ़ाना है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी ने कहा कि देश मे करोड़ो वोटो की चोरी का खुलासा राहुल गांधी ने किया है मोदी सरकार ने वोटो की चोरी करवाकर बेईमानी से सत्ता हासिल की है।

वोट चोर गद्दी छोड़ प्रभारी सत्येश शर्मा ने कहा कि इस अभियान में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने का आव्हान किया। पूर्व महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष राखी गौतम ने सभी कार्यकर्ताओं को हस्ताक्षर अभियान को वार्ड तक लेजाने पर जोर दिया। लाड़पुरा प्रधान रहे नईमुद्दीन गुडू ने कहा कि राहुल गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उनकी आवाज को बुलंद कर सहयोग करे। रामगंजमंडी विधानसभा प्रत्याशी रहे महेन्द्र सिंह राजोरिया ने सभी कांग्रेसजनों से इस हस्ताक्षर अभियान में अपनी महत्ती भूमिका निभाने का कार्यकर्ताओं से आव्हान किया। बैठक का संचालन कांग्रेस कमेटी के जिला महासचिव डॉ.विजय सोनी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापित सं महामंत्री राधेश्याम वर्मा ने किया। बैठक में पीसीसी सचिव शिवराज गुंजल, मंजूर तंवर, उपमहापौर पवन मीणा, उपाध्यक्ष जगदीश थाड़ा, रामेश्वर सुवालका कोषाध्यक्ष दीलीप पाठक, महामंत्री विपिन बरथुनिया, धर्मा गोचर, प्रकाश मलकानी, इसरार मोहम्मद, कपिल शर्मा, प्रशांत सक्सैना सहित कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता, कमेटी के पदाधिकारी गण, पीसीसी पदाधिकारी सदस्यगण, नगर निगम के पार्षदगण, ब्लॉक अध्यक्षगण, अग्रिम संगठनों प्रकोष्ठों के अध्यक्षगण आदि उपस्थित थे।

वैष्णो देवी ज्योति मंदिर पर ज्योत स्थापना कल

कोटा, (निसं)। कोटा के प्रसिद्ध वैष्णो देवी ज्योति मंदिर, दादाबाड़ी पर नवरात्र धूमधाम से मनाए जाएंगे। प्रबंधक सनमीत सिंह बंटी ने बताया कि मंदिर पर नवरात्र में माँ चिंतपूर्णी तथा माँ ज्वाला देवी की पवित्र ज्योत के दर्शन होंगे।

सनमीत सिंह बंटी मां ज्वाला देवी से पवित्र ज्योत लेकर शनिवार को कोटा पहुंचे। ऐसे में बड़ी संख्या में भक्तों ने ज्वाला देवी, चिंतपूर्णी माता और वैष्णो देवी के जयकारों के साथ आतिशबाजी कर नाचते-गाते पवित्र ज्योत की अगवानी की।

पवित्र जोत लेने के लिए सनमीत सिंह बंटी के साथ जसवीर सिंह, राहुल सिक्का, विनोद सैनी, सतीश छाबड़ा भी गए थे। सनमीत सिंह ने बताया कि नवरात्र स्थापना पर सोमवार को प्रात: 7.30 बजे मंदिर में पवित्र ज्योत की भी विधि-विधानपूर्वक स्थापना होगी। इसके बाद नवरात्र के दौरान दर्शनार्थी पवित्र ज्योति के दर्शन कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष नवरात्रि पर्व पर विशेष भव्यता के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों की तैयारियाँ की गई हैं। इस बार मंदिर को अत्यंत सुंदर और आकर्षक रूप से सजाया गया है।

प्रतिदिन माँ का भव्य श्रृंगार किया जाएगा। जिसमें माँ को चाँदी का छत्र भी अर्पित किया जाएगा। प्रतिदिन संध्या आरती के पश्चात भक्तों द्वारा फलाहारी प्रसाद सेवा की जाएगी।

श्रीमद्भागवत कथा की पूर्णाहुति आज

कोटा, (निसं)। कार्ष्णि सेवा समिति की ओर से गीता भवन पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन शनिवार को कथाव्यास राष्ट्रीय संत कार्ष्णि ब्रह्मानंद बालयोगी महाराज ने श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं का वर्णन किया। इस दौरान छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। यजमान गीता देवी मूंदड़ा और कमल माहेश्वरी ने भागवत पूजन कर कथा का शुभारम्भ कराया। इस दौरान बालयोगी महाराज ने कहा कि भगवान ने मिट्टी खाकर अपने मातृभूमि के महत्व को बताया था। उन्होंने कहा कि जहां गौ सेवा होती है, वहां गोपाल आवश्यक होते हैं। पूतना वध के प्रसंग का वर्णन करते हुए कथा व्यास बालयोगी महाराज ने कहा कि जो कन्या भ्रूण हत्या करते हैं, वे नर-नारी पूतना के समान ही हैं। यदि लड़कियां नहीं होगी तो सृष्टि का अंत हो जाएगा। जिस घर में कन्या का जन्म होता है, वह सौभाग्यशाली होते हैं। उस घर से नकारात्मकता चली जाती है। बालयोगी महाराज ने कहा कि आजकल की युवा पीढ़ी अपने धर्म, अपने भगवान को नहीं मानते हैं। लेकिन तुम अपने धर्म को जानना चाहते हो तो पहले अपने धर्म को जानने के लिए गीता, भागवत, रामायण पढ़ो तो, तुम नहीं तुम्हारी आने वाली पीढ़ी भी संस्कारी हो जाएगी।

हिंदी माह के उपलक्ष में गीत गायन प्रतियोगिता का सफल आयोजन

कोटा, (निसं)। 14 सितम्बर से 14 अक्टूबर के अंतर्गत हिंदी गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय कोटा द्वारा किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से वातावरण को सुरमयी बना दिया और कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि, लगाव एवं अभिव्यक्ति की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना रहा।

निर्णायक मंडल में बाह्य निर्णायक के रूप में कोटा की सहायक जनसंपर्क अधिकारी आकांक्षा शर्मा रहीं, जिन्होंने प्रतिभागियों का मूल्यांकन सुर, ताल, भावाभिव्यक्ति एवं उच्चारण के आधार पर किया। आंतरिक निर्णायक की भूमिका क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य प्रबंधक नरेश सैनी एवं आशुतोष कुमार ने निभाई।

प्रतियोगिता में संजीव शर्मा ने प्रथम स्थान, विजेंद्र सिंह सिकरवाल एवं हेमंत शर्मा ने द्वितीय स्थान तथा आकाश भुट्टा एवं अमित देवागन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायकों द्वारा सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में विजेताओं के साथ-साथ नेहा जैन, रामकृष्ण साहू एवं सुमित जैन ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी मधुर आवाज से उपस्थित सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक दिलीप कौर ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि हिंदी हमारी पहचान और एकता की भाषा है।

इस प्रकार के आयोजन कर्मचारियों को प्रेरित करने के साथ-साथ राजभाषा हिंदी के संवर्धन में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।" कार्यक्रम के दौरान सभी कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्यों में हिंदी भाषा के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित किया गया तथा इसके लिए उन्हें शपथ भी दिलवाई गई।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय कोटा, हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और प्रयोग के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा हिंदी माह के अंतर्गत आगामी दिनों में भी विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

कोटा में आयोजित हिंदी गीत गायन प्रतियोगिता के विजेताओं को सहायक जनसंपर्क अधिकारी आकांक्षा शर्मा ने पुरस्कृत किया है।

ऊर्जा मंत्री आज बपावर क्षेत्र में

कोटा, (निसं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर रविवार को बपावर क्षेत्र में रहेंगे।

इससे पहले सांगोद नगर में सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित स्वच्छता अभियान में भाग लेंगे और नगर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करेंगे।

चंबल ब्रेवरीज और डिस्टलरीज लिमिटेड

CIN: L99999RJ1985PLC046460
पंजीकृत कार्यालय: हाउस नंबर 30, दूसरी मंजिल, डी.ए.वी स्कूल केई पास, तलवंडी, कोटा, 324005, राजस्थान
वेबसाइट: www.chambalkota.in दूरभाष न.: 0744-3500607
ईमेल आईडी: chambalbreweries@gmail.com

40वीं वार्षिक सामान्य सभा (AGM) के स्थगन की सूचना

चम्बल ब्रुअरीज एंड डिस्टिलरीज़ लिमिटेड की 40वीं वार्षिक सामान्य सभा ("AGM"), जो **शनिवार, 20 सितम्बर 2025 को दोपहर 12.00 बजे** कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में आयोजित की जानी थी, *कोरम की अनुपलब्धता* के कारण आयोजित नहीं हो सकी। अतः, यह सभा अब स्थगित कर दी गई है और यह **शनिवार, 27 सितम्बर 2025 को दोपहर 12.00 बजे** *उसी स्थान पर* आयोजित की जाएगी। सभा में वही कार्यवाही की जाएगी जो मूल सूचना दिनांक **26 जुलाई 2025** में निर्धारित की गई थी। सभा हेतु नई उपस्थिति-पत्रक कंपनी की वेबसाइट www.chambalkota.in पर उपलब्ध है।

स्थान: कोटा
दिनांक: 20.09.2025

चम्बल ब्रुअरीज एंड डिस्टिलरीज़ लिमिटेड की ओर से
Sd/-
ललित मोदी (कंपनी सचिव)

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ओमान के खिलाफ एशिया कप के मुकाबले में बल्लेबाजी नहीं की थी। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, लेकिन सूर्यकुमार बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे।
- सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, सूर्यकुमार की कप्तानी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — अक्षर पटेल

अक्षर पटेल पाकिस्तान के ख़िलाफ रविवार को होने वाले भारत के सुपर फ़ोर मैच में नहीं भी खेल सकते हैं। उन्हें अबु धाबी में ओमान के ख़िलाफ ग्रुप ए मैच में फ़ील्डिंग करते समय सिर पर चोट लगी थी। अक्षर को 15वें ओवर में यह चोट लगी थी। वह मिड-ऑफ़ से दौड़ते हुए हम्माद मिर्ज़ा का कैच लेने की कोशिश में संतुलन खोकर गिर पड़े, जिससे उनका सिर जमीन से टकरा गया। इसके बाद उन्हें सिर और गर्दन को पकड़ते हुए देखा गया और फ़िज़ियो की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया। वे ओमान की पारी के बचे हुए हिस्से में फ़ील्ड पर नहीं लौटे।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम का सामना अब रविवार को पाकिस्तान से होगा। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई है और उसने अब तक एक भी मैच नहीं गंवाया है।

दुबई में पाकिस्तान से महाजंग, टीम इंडिया पूरी तरह तैयार : सूर्यकुमार

दुबई, 20 सितम्बर। दुबई में एशिया कप लीग मैच में भारत द्वारा पाकिस्तान को हराने और जानबूझकर हाथ मिलाने से बचने के कुछ ही मिनट बाद, सूर्यकुमार यादव खचाखच भरे प्रेस रूम में पहुंचे। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने मैच की तैयारी के दौरान सोशल मीडिया पर हो रहे शोर से कैसे निपटा, तो उन्होंने कंधे उचका दिए। उन्होंने कहा कि उन्हें ''पता नहीं'' था कि वहां क्या हो रहा है, और फिर उन्होंने आगे कहा कि दुबई पहुंचने पर टीम ने सोच-समझकर फैसला लिया था: ऐप्स डिलीट कर दो, बाहरी शोर को ''70-80 प्रतिशत'' तक कम कर दो। अब, भारत-पाकिस्तान के एक और मुकाबले की पूर्व संध्या पर, सूर्यकुमार प्रेस के सामने फिर से थे। वही सवाल फिर से आया, इस बार उन सब बातों की याद दिलाते हुए जो तब से हुई थीं। ''अपना कमरा बंद करो, अपना फ़ोन बंद करो और सो जाओ,'' उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। ''मुझे लगता है यही सबसे अच्छा है।'' फिर उन्होंने समझाया: ''देखो, यह कहना आसान है, लेकिन कभी-कभी मुश्किल भी होता है क्योंकि आप बहुत सारे दोस्तों से मिलते हैं, आप डिनर पर जाते हैं और आपके आस-पास बहुत सारे खिलाड़ी भी होते हैं जो ये सब देखना पसंद करते हैं।

''लेकिन मैं सभी खिलाड़ियों के साथ बहुत स्पष्ट रहा हूँ, मुझे लगता है कि अगर आपको इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना है और आगे बढ़ना है, तो यह बहुत जरूरी है, हमें बाहर से आने वाले शोर को रोकना होगा और जो आपके लिए अच्छा है उसे अपनाना होगा। मैं यह नहीं कह रहा कि शोर पूरी तरह बंद कर दो, बल्कि जो तुम्हारे लिए अच्छा है उसे अपनाओ और कोई तुम्हें अच्छी सलाह भी दे सकता है जो खेल में तुम्हारी मदद कर सकती है, जो मैदान पर तुम्हारी मदद कर सकती है। इसलिए मुझे लगता है कि यह मेरे लिए

बहुत जरूरी है और बाकी मुझे लगता है कि हर कोई एक अच्छी जगह पर अच्छा है।''यह बात बहुत मायने रखती थी। एक बार फिर, भारत-पाकिस्तान मैच की पूर्व संध्या पर, ध्यान क्रिकेट के अलावा हर जगह भटक गया था। सूर्यकुमार के जवाबों ने इसे वापस खींच लिया। उन्होंने कहा कि पिछली रात मैदान पर भारत ने जो अंतर दिखाया था, वही बातचीत का विषय था।

भारत के खिलाफ पिछले मैच के बाद पूरे भारत में जश्न के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने सरलता से कहा: ''हम जीत गए, इसलिए वे जश्न मना रहे हैं। मेरा मतलब है, जिस तरह देश हर मैच में हमारा समर्थन करता है, उसी तरह उन्हें इस मैच में भी हमारा समर्थन करना चाहिए। और आज रविवार है, इसलिए मुझे लगता है कि ज़्यादा लोग मैच देखेंगे। ''तो आराम से बैठो और खेल का आनंद लो। और जब हम मैदान पर जाएंगे, तो हम उसी तीव्रता और ऊर्जा के साथ खेलने की कोशिश करेंगे। और हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेंगे।'' ''और हम पूरे मैदान में यही कोशिश करेंगे।''

प्रतिद्वंद्विता का सवाल भी उठा: क्या यह 2000 के दशक जैसा ही था? ''उस समय, मुझे नहीं पता। मैंने कभी नहीं खेला। इसलिए मैं नहीं कह सकता,'' वह हँसे। लेकिन उन्होंने जल्दी से अपनी बात फिर से दोहराई। ''हमने तीन मैच खेले हैं। हमें तीनों मैच जीतने में उतना ही मज़ा आया जितना हमें पहला मैच जीतने में आया था। इसलिए मुझे लगता है कि हर मैच एक नई चुनौती है। हम इसे सहजता से लेते हैं और अच्छा लगता है। हम जीतते हैं और उससे कुछ सीखते हैं और अगले मैच में भी ऐसा ही करने की कोशिश करते हैं।'' क्या भारत फिर से वही करेगा, इस सवाल पर, हाथ मिलाने वाले एपिसोड की ओर इशारा करते हुए, उन्होंने फिर से क्रिकेट का ज़िक्र किया। ''गेंद और बल्ले का अच्छा मुकाबला होता है। साथ ही, अच्छी तीव्रता का मुकाबला भी होता है।

जैसा कि मैंने पिछले सवाल में कहा था, स्टेडियम खचाखच भरा होता है और आपको अपना समर्थन देने के लिए बेहतरीन दर्शक मिलते हैं। और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना और खेल का आनंद लेना सबसे अच्छा होता है।'' सूर्यकुमार ने अपने अंदाज में, प्रतिद्वंदी का ज़िक्र किए बिना ही प्रतिद्वंदी, शोर-शराबे और विवादों से जुड़े हर सवाल का जवाब दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका ध्यान क्रिकेट पर था। यह वही संदेश था जो उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच के बाद दिया था: ऐप्स डिलीट कर दो, ध्यान भटकाने वाली चीज़ें म्यूट कर दो, क्रिकेट खेलो। एक साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर भारत-पाकिस्तान मुकाबले के दौरान सूर्यकुमार ने फिर से डिलीट बटन दबाया और कर्सर को गेम पर ही रखा।

भारत की संभावित प्लेइंग : अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती

पाकिस्तान की संभावित प्लेइंग : साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), फखर जमान, सलमान आगा (कप्तान), हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, अबरार अहमद

भारत के खिलाफ मैच से पहले पाक ने प्री-मैच प्रेस कॉफ्रेंस रद्द कर दी

दुबई, 20 सितम्बर। पाकिस्तान ने रविवार को भारत के खिलाफ होने वाले सुपर फोर मैच से पहले होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी है। एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, एक पाकिस्तानी खिलाड़ी या कोचिंग स्टाफ के सदस्य को स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी थी। टीम को दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में शाम 6 बजे से तीन घंटे तक प्रशिक्षण भी लेना था। ईएसपीएनक्रिकइंफो को पता चला है कि प्रशिक्षण निर्धारित समय पर ही होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द करने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। इतने ही मैचों में यह दूसरी बार है जब पाकिस्तान ने मैच से पहले मीडिया से बात करने की अपनी पारंपरिक ज़िम्मेदारी रद्द कर दी है। उन्होंने यूएई के खिलाफ अपने जरूरी मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से इनकार कर दिया था, जबकि मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के साथ हाथ मिलाने का मामला लगातार गरमाता रहा।

इसके बाद, आईसीसी द्वारा पाइक्रॉफ्ट और पाकिस्तान के कोच, कप्तान, मीडिया और टीम मैनेजरों के बीच एक बैठक आयोजित करने के बाद यह विवाद काफी हद तक शांत हो गया, जहां पाइक्रॉफ्ट ने भारत के खिलाफ टॉस के दौरान हुई घटनाओं पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने सलमान अली आगा से कहा था कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से हाथ नहीं मिलाया जाएगा, जिसे पाकिस्तान

ने पाइक्रॉफ्ट द्वारा आईसीसी की आचार संहिता का पालन न करने के रूप में समझा और उन्हें टूर्नामेंट से हटाने की मांग की।

ऐसा प्रतीत होता है कि इस बैठक ने पीसीबी को कुछ हद तक शांत कर दिया; उन्होंने इसका एक छोटा वीडियो जारी किया, जिसमें कोई ऑडियो नहीं था, और एक बयान में कहा कि पाइक्रॉफ्ट ने माफी मांग ली है। बदले में, ऐसा प्रतीत होता है कि इससे आईसीसी नाराज हो गया, जिसने उस वीडियो की रिकॉर्डिंग और उसके सार्वजनिक वितरण पर आपत्ति जताते हुए पीसीबी को कड़े शब्दों में एक ईमेल लिखा, जिसमें कहा गया कि बोर्ड ने खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र (पीएमओए) में बिना सहमति के वीडियो बनाकर प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है कि पीसीबी ने उस ईमेल का जवाब दिया या नहीं।

भारत शनिवार को भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करेगा। जैसा कि एक दिन के अंतराल के बाद अगला मैच खेलने वाली टीमों के लिए प्रथागत है, उन्होंने शुक्रवार रात ओमान के खिलाफ मैच समाप्त होने के बाद, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले एक प्रतिबंधित प्रेस कॉन्फ्रेंस की। रविवार को सुपर फ़ोर चरण में दोनों टीमों का पहला मैच होगा।

फिर रेफरी होंगे एंडी, पीसीबी की बौखलाहट!

नई दिल्ली, 20 सितंबर। एंडी पाइक्रॉफ्ट एक बार फिर से एशिया कप में भारत और पाकिस्तान बीच होने वाले सुपर 4 मुकाबले में मैच रेफरी होंगे। एंडी पाइक्रॉफ्ट 14 सितंबर को एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले में हाथ मिलाने को लेकर हुए विवाद के केंद्र में थे। भारत के खिलाफ 7 विकेट से मिली करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाइक्रॉफ्ट को तुरंत हटाने की मांग की थी। पाकिस्तान बोर्ड के अनुसार, पाइक्रॉफ्ट ने कप्तान सलमान आगा और सूर्यकुमार यादव से ग्रुप स्टेज मुकाबले के टॉस के दौरान हाथ न मिलाने को कहा था।

श्रीलंका ने दिया बांग्लादेश को 169 रनों का लक्ष्य

दुबई, 20 सितंबर। दसून शानका (नाबाद 64) और कुसल मेंडिस (35) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर श्रीलंका ने शनिवार एशिया कप के पहले सुपर चार मुकाबले में बंगलादेश को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां बंगलादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका पुथम निसंका और कुसल मेंडिस की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। पांचवें ओवर में तस्कीन अहमद ने निसंका 15 गेंदों में 22 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। दूसरे विकेट के रूप में कामिल मिशारा (पांच) और इसके बाद कुसल परेरा 16 रन बनाकर आउट हुये। 19वें ओवर में कप्तान चरित असलंका (21) रनआउट हुये।

इसी ओवर की चौथी गेंद पर मुस्तफिज़ुर रहमान ने कामिंडु मेंडिस (एक) रन को आउट किया। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर वानिंदु हसरंगा (दो) भी मुस्तफिज़ुर रहमान का शिकार बने। श्रीलंका की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 168 रन का स्कोर खड़ा किया। दसून शानका ने 36 गेंदों में पांच छक्के और तीन चौके लगाते हुए (नाबाद 64) रन बनाये। बंगलादेश की ओर से मुस्तफिज़ुर रहमान को तीन विकेट मिले। मेहदी हसन ने दो विकेट लिये। तस्कीन अहमद ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

आरसीए अंडर-19 चैलेंजर ट्रॉफी आज से

जयपुर, 20 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में आगामी 21 - 24 सितम्बर 2025 को अंडर 19 चैलेंजर ट्रॉफी खेली जाएगी। चैलेंजर ट्रॉफी हेतु 8 टीमों का चयन राजस्थान जूनियर चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया।

राज्य स्तरीय अंडर-23 प्रतियोगिता

राज, देव, ग्रोवर, राहुल, सोहन, युवराज व दर्शन के शतक

जयपुर, 20 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य अंडर 23 प्रतियोगिता में जयपुर , जैसलमेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, सवाई माधोपुर, जोधपुर, बांसवाड़ा, बीकानेर, कोटा, सीकर, करौली, राजसमंद, बाड़मेर, नागौर जीती। आज राज शर्मा, देव यादव, ओसनिक ग्रोवर, राहुल चौधरी, सोहन जैफ ,युवराज मीणा, दर्शन जैन के शानदार शतक, विशाल गोदारा, नरपत , तनवीर , राहुल , मयंक राज की शानदार गेंदबाजी रही।

टेस्ट सीरीज से पहले वेस्टइंडीज अहमदाबाद में छह दिवसीय शिविर लगाएगा

अहमदाबाद, 20 सितम्बर। भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले वेस्टइंडीज टीम अहमदाबाद में छह दिवसीय शिविर लगाएगी। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) द्वारा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (जीसीए) के साथ साझा की गई जानकारी के अनुसार, मेहमान टीम शुरुआती टेस्ट की अपनी अंतिम तैयारी शुरू करने से पहले 24 से 29 सितंबर तक अहमदाबाद में प्रशिक्षण लेगी। पहला टेस्ट 2 अक्टूबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुरू होने वाला है।

सीडब्ल्यूआई के सीईओ क्रिस्ट डेहरिंग ने शनिवार को क्रिकबज को बताया, ''हमारी टीम से हमें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है, खासकर एक बेहद रोमांचक तेज गेंदबाज़ी आक्रमण से। हम 24 सितंबर से पहले टेस्ट तक वहीं रहेंगे।''

हाल ही में घोषित टीम में दो विशेषज्ञ स्पिनर शामिल हैं - उप-कप्तान जोमेल वारिकन और नए खिलाड़ी खैरी पियरे, दोनों ही बाएं हाथ के गेंदबाज हैं। इसके अलावा, कप्तान रोस्टन चेज अंशकालिक ऑफ-स्पिन भी प्रदान करते हैं। हालाँकि, तेज गेंदबाजी वेस्टइंडीज की मुख्य ताकत बनी हुई है, जिसमें अल्ज़ारी जोसेफ, शमर जोसेफ और एंडरसन फिलिप्स से स्पिन के अनुकूल पिचों पर भी आक्रमण की अगुवाई करने की उम्मीद है।

इस बीच, भारतीय टीम 29 सितंबर को अहमदाबाद में एकत्रित होगी। कप्तान शुभमन गिल सहित कुछ खिलाड़ियों के दुबई से सीधे आने की उम्मीद है - अगर भारत एशिया कप फाइनल में पहुँचता है - जबकि अन्य खिलाड़ी बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से आएंगे, जहाँ वे प्रशिक्षण ले रहे होंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता अगले सप्ताह की शुरुआत में टीम की घोषणा कर सकते हैं।

वर्तमान चयन समिति टेस्ट टीम का चयन करेगी, जो इसके कुछ सदस्यों की आखिरी बैठक होगी। हाल ही में हुए साक्षात्कारों के बाद, दो चयनकर्ता पैनल में शामिल होंगे जबकि दो अन्य चयनकर्ताओं का स्थान लेंगे। समझा जाता है कि प्रज्ञान ओझा और आरपी सिंह नए सदस्य होंगे, जबकि एस शरत के अजीत अगरकर की अगुवाई वाली समिति से हटने की संभावना है। पैनल से बाहर होने वाले दूसरे सदस्य का नाम अभी स्पष्ट नहीं है।

चोटिल नेमार अभ्यास से बाहर

रियो डी जेनेरियो, 20 सितंबर। ब्राजील के फुटबॉल क्लब सैंटोस ने बताया है कि फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे फॉरवर्ड नेमार जांघ की चोट के कारण अभ्यास से बाहर हो गये हैं। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर 33 वर्षीय नेमार गुरुवार को दाहिनी जांघ में दर्द के कारण अभ्यास से बाहर हो गए। बाद में हुई जांच में रेक्टस फेमोरिस मांसपेशी में चोट की पुष्टि हुई। क्लब ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा, नेमार जूनियर ने सैंटोस एफसी के चिकित्सा विभाग के मार्गदर्शन में इलाज शुरू कर दिया है। हालांकि उनकी वापसी की कोई समय सीमा नहीं बताई गई। अक्टूबर 2023 में घुटने में गंभीर चोट लगने के बाद से नेमार ब्राजील के लिए नहीं खेले हैं। ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने उन्हें हाल की टीमों से बाहर रखा है और कहा है कि खिलाड़ियों को विश्व कप 2026 के लिए चुने जाने के लिए पूरी तरह से फिट होना होगा। पूर्व बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन फॉरवर्ड ने इस सीजन में 13 लीग मैच खेले हैं और तीन गोल किए हैं। 22 मैचों के बाद सैंटोस एक अंक से रेलीगेशन जोन से ऊपर है।

रोमांचक फाइनल में शिल्डर ने जैक्शन को हराकर स्वर्ण पद जीता

टोक्यो, 20 सितंबर। नीदरलैंड की जेसिका शिल्डर ने शनिवार को यहां 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की शॉटपुट स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। 26 वर्षीय शिल्डर ने अपने अंतिम प्रयास में 20.29 मीटर का अपना सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंककर जीत हासिल की, और गत चैंपियन संयुक्त राज्य अमेरिका की चेस जैक्सन, जिन्होंने 20.21 मीटर का थ्रो फेंककर रजत पदक जीता, को कड़ी टक्कर दी। न्यूजीलैंड की मैडिसन-ली वेशे ने दबाव में अद्भुत संयम दिखाते हुए 20.06 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। चीन की अनुभवी गोंग लिजियाओ, जो अपनी नौवीं विश्व चैंपियनशिप खेल रही थीं, 18.96 मीटर के साथ नौवें स्थान पर रहीं।

विश्व कप से पहले भारतीय महिला टीम के समर्थन में आगे आये अक्षय

मुंबई, 20 सितम्बर। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 भारत के लिए जैसे-जैसे उत्साह बढ़ रहा है, बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने महिला टीम के समर्थन में देश को एकजुट करने के लिए अपनी आवाज उठाई है। अभिनेता ने जियोस्टार के साथ एक वीडियो में प्रशंसकों से महिला क्रिकेट के लिए भी उतना ही जुनून और समर्थन दिखाने का आग्रह किया जितना वे पुरुष क्रिकेट टीम के लिए करते हैं।

महिला टीम का समर्थन करने के महत्व पर बात करते हुए, अक्षय कुमार ने 2017 विश्व कप फाइनल देखने के अपने अनुभव को याद किया और अपनी भावनाएँ साझा कीं। उन्होंने कहा, ''मुझे आज भी 2017 विश्व कप फाइनल याद है। मैं स्कॉटलैंड से ट्रेन पकड़कर फाइनल देखने स्टेडियम गया था। तभी मैंने हमारी महिला क्रिकेट टीम का जुनून देखा। मैं क्यों गया था? क्योंकि तभी मुझे समझ आया कि क्रिकेट में कोई जेंडर नहीं होता। सिर्फ़ एक जर्सी, एक जुनून और एक टीम होती है। टीम इंडिया। हम आमतौर पर पुरुष टीम का उत्साहवर्धन करते हैं। लेकिन असली समर्थन तब मिलेगा जब हम अपनी महिला टीम का भी उतना ही उत्साहवर्धन करेंगे जितना हम पुरुष टीम का करते हैं।

अक्षय ने कहा कि असली प्रशंसक वह होता है जो हर खिलाड़ी के साथ खड़ा होता है, चाहे वह पुरुष हो या महिला। यही असली नीले रंग की निशानी है। जर्सी वही, जज्बा वही! वीडियो में, अक्षय भारतीय उप-कप्तान स्मृति मंधाना की 18 नंबर की जर्सी पकड़े हुए भी दिखाई दे रहे हैं, जो इस बात को पुख्ता करता है कि चाहे विराट कोहली हों या स्मृति मंधाना, जर्सी एक ही रहती है।

भारत की अंडर-17 टीम भूटान को हराकर सैफ चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली/कोलंबो, 20 सितंबर। भारत की अंडर-17 पुरुष राष्ट्रीय टीम ने अपने दूसरे ग्रुप बी मैच में भूटान को 1-0 से हराकर सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ, भारत के दो मैचों में छह अंक हो गए हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने अपने बयान में कहा, भारत अंडर-17 पुरुष राष्ट्रीय टीम ने शुक्रवार को कोलंबो के रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में अपने दूसरे ग्रुप बी मैच में भूटान को 1-0 से हराकर सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप 2025 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एआईएफएफ ने कहा है कि भारतीय टीम अब सोमवार को पाकिस्तान के साथ खेलेगी। इस मैच का विजेता ग्रुप बी में शीर्ष पर रहेगा। मैच का विजयी गोल दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी रहान अहमद के रूप में आया। महासंघ ने कहा, दूसरे हाफ में शामिल किए गए सुपर-सब रहान अहमद ने 57वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल दागा और भारत को 1-0 से मामूली अंतर से जीत दिलाई।

मेफेयर पोलो और ऑल स्टार पोलो टीमें जीती

जयपुर, 20 सितम्बर। कैवेलरी पोलो ग्राउंड पर अरावली पोलो टीम ओर मेफेयर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें मेफेयर पोलो टीम ने अरावली पोलो टीम को 5 के मुकाबले 8 गोल से हराया। अरावली पोलो टीम की ओर से हुर्र अली ने 1, दीप सिंह ओर कुलदीप सिंह ने 2- 2 गोल किए। मेफेयर पोलो टीम की ओर से सवीर मेहराज ने 2 गोल किए वहीं बतिस्ता ने अपनी टीम के लिए 6 गोल कर जीत पक्की कर दी। रामबाग पोलो ग्राउंड पर दूसरा मैच ऑल स्टार पोलो टीम ओर जयपुर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें ऑल स्टार पोलो टीम ने जयपुर पोलो टीम को 10 के मुकाबले 11 गोल से हराया। जयपुर पोलो टीम की ओर से महाराज पद्मनाभ सिंह ने 3 गोल ओर लांस वाटसन ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 7 गोल करके भी टीम को जीता नहीं सके। ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से अशोक चांदना ने 2, मतिहास ने 3 ओर ध्रुवपाल गोदारा ने अपनी टीम के लिए 6 गोल कर टीम को जीताया।

अंतिम रेड पर नीरज को लपक पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली केसी का विजय रथ रोका

जयपुर, 20 सितंबर। दबंग दिल्ली केसी का लगातार छह मैचों से चला आ रहा विजय रथ आखिरकार रुक गया है। प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 43वें मुकाबले में शनिवार को तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने अंतिम रेड में नीरज नरवाल को लपक 33-30 के अंतर से मैच जीत लिया। दिल्ली को पहली हार मिली जबकि पटना को सात मैचों में दूसरी जीत मिली।

सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में आज को खेले गए मुकाबले में एक समय 12 अंक से पीछे चल रही पटना की जीत में अंकित (12) का अहम योगदान रहा। उन्होंने मैच में पटना की वापसी कराई और फिर स्कोर बराबर भी किया। दिल्ली के लिए आशू मलिक ने 6 अंक लिए जबकि नीरज नरवाल ने 8 अंक जुटाए।

पटना के लिए कप्तान अंकित ने डिफेंस में 6 अंक जुटाए। दिल्ली ने अच्छी शुरुआत करते हुए तीन मिनट में ही 4-1 की लीड बना ली थी लेकिन सुधाकर ने फजल का शिकार कर फासला दो का कर दिया। फिर अजिंक्य को लपक अंकित ने स्कोर 3-4 कर दिया। सौरव ने मिलन को लपका तो अयान ने डिफेंस में हाथ साफ करते हुए नीरज का शिकार कर स्कोर 4-6 कर दिया। इस बीच दिल्ली ने अयान को लपका और फिर अजिंक्य ने डू ओर डाई रेड पर अंक लेकर 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 8-4 कर दिया।

अगली रेड पर नीरज ने हालांकि उन्हें रिवाइव करा लिया। फिर नीरज ने ही पटना को आलआउट की ओर धकेला और फिर सुरजीत ने हाफटाइम से ठीक पहले आलआउट लेते हुए दिल्ली को 19-10 की लीड दिला दी। ब्रेक के बाद दिल्ली ने लगातार दो अंक लेकर पकड़ मजबूत की। इस बीच सौरव ने अयान को लपक स्कोर 22-11 कर दिया। इस बीच अंकित ने डू ओर डाई रेड पर सौरव का शिकार कर लिया लेकिन अजिंक्य ने मिलन को आउट कर हिसाब बराबर किया।

दिल्ली का डिफेंस अयान को नहीं चलने दे रहा था लेकिन डिफेंस ने हाथ खोल दिए थे। नवदीप ने अजिंक्य को लपक लिया। पिछली रेड पर नीरज को आउट करने वाले अंकित ने अगली दो रेड पर सुरजीत और फजल को आउट कर स्कोर 16-25 कर दिया। फिर डिफेंस ने नीरज को लपक दिल्ली को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। अंकित ने इसके बाद डू ओर डाई रेड पर संदीप का शिकार कर दिल्ली को आलआउट की ओर धकेला।

अंकित ने अगली रेड पर दो शिकार के साथ दिल्ली को आलआउट कर स्कोर 22-26 कर दिया। आलइन के बाद आशू ने नवदीप को बाहर किया। इस बीच अंकित ने बोनस लिया और फिर आशू ने दो अंक की रेड क साथ स्कोर 29-23 कर दिया। फिर अंकित के बोनस के बाद पटना के डिफेंस ने अजिंक्य को लपक फासला 5 का कर दिया। फिर अंकित ने सौरव का शिकार कर सुपर-10 पूरा किया। अगली रेड पर हालांकि वह लपक लिए गए। एक सेकेंड बचा था और दिल्ली के लिए अंतिम खिलाड़ी के तौर पर नीरज रेड पर गए और लपक लिए गए। इस तरह पटना ने दिल्ली की जीत का सिलसिला तोड़ दिया।

सलमा खातून बांग्लादेश महिला चयन पैनल में शामिल होने वाली पहली महिला बनी

ढाका, 20 सितम्बर। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने पूर्व राष्ट्रीय टीम की कप्तान सलमा खातून को महिला चयन पैनल में शामिल किया है। सलमा देश की पहली महिला क्रिकेटर हैं जिन्हें चयन पैनल में नियुक्त किया गया है। इस पैनल में वर्तमान में सज्जाद अहमद (महिला चयन पैनल के प्रमुख) और सोजोल चौधरी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से आयु वर्ग की टीमों के साथ काम करते हैं। बीसीबी की मीडिया समिति के अध्यक्ष इफ़्तिख़ार रहमान मिठू ने शनिवार को कहा, ''हमारी एक छोटी सी बैठक हुई जिसमें हमने चार-पाँच अहम फ़ैसले लिए। उनमें से एक फ़ैसला हमारी महिला राष्ट्रीय टीम की पहली महिला चयनकर्ता के रूप में सलमा खातून की नियुक्ति का था। वह शिपोन के साथ काम करेंगी, जो वर्तमान में महिला टीम की मुख्य चयनकर्ता हैं।'' ''आप सभी जानते हैं कि सलमा को 2014-15 में आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और शीर्ष ऑलराउंडर चुना गया था। उन्होंने 2008 से 2015 तक बांग्लादेश की कप्तानी की और देश में महिला क्रिकेट का एक स्तंभ रही हैं। मुझे लगता है कि यह हमारे अध्यक्ष का एक क्रांतिकारी फ़ैसला है, क्योंकि सलमा जैसी किसी व्यक्ति के शामिल होने से महिला क्रिकेट को काफी समर्थन मिलेगा।

सात्विक-चिराग चाइना मास्टर्स के फाइनल में

निंगबो, 20 सितम्बर। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने ली-निंग चाइना मास्टर्स 2025 में शानदार प्रदर्शन के साथ सीजन के अपने दूसरे फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी ने दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को 41 मिनट में सीधे गेमों में 21-17, 21-14 से हराकर शानदार जीत हासिल की। शुरुआती गेम में शुरुआत में स्कोर 7-7 से काफ़ी कड़ा रहा, लेकिन इसके बाद सोह-चिया ने बढ़त बनाते हुए स्कोर 10-7 कर दिया। हालाँकि, इसके बाद सात्विक और चिराग ने लगातार तीन अंक हासिल कर स्कोर 10-10 कर दिया, लेकिन चिराग की सर्विस में हुई एक गलती ने मध्यांतर तक मलेशियाई टीम को एक अंक की मामूली बढ़त दिला दी। सात्विक और चिराग ने मध्यांतर के बाद पहले गेम में दबदबा बनाए रखा। तब से उन्होंने 17 में से 11 अंक जीते हैं, और उन्होंने पहला गेम 4 अंकों से, 21-17 से जीत लिया है। उस अंतराल के बाद से उन्होंने नेट पर सपाट आदान-प्रदान में दबदबा बनाए रखा है। सात्विक-चिराग ने दूसरे गेम में उन्होंने 8-2 की बढ़त बना ली। हालांकि सोह और चिया ने उन्हें थोड़ा पीछे धकेला, सात्विक की आक्रामकता ने भारतीयों की बढ़त को काफ़ी मजबूत बनाए रखा है।

ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने भारत को 43 रन से हराया और सीरीज भी जीती

नई दिल्ली, 20 सितंबर। बेथ मूनी (138) की शतकीय, जॉर्जिया वॉल (81) और एलिस पेरी (68) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने शनिवार को तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय मुकाबले में भारत को 43 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

413 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में प्रतिका रावल (10) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हरलीन देओल ने स्मृति मंधाना के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। नौवें ओवर में मेगन शूट ने हरलीन (11) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तीसरे विकेट के लिए ताबड़तोड़ 121 रन जोड़े। किम गार्थ ने 21वें ओवर में हरमनप्रीत 35 गेंदों में 52 रन को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में ग्रेस हैरिस ने शतकवीर स्मृति मंधाना को आउटकर भारत को बड़ा झटका दिया। स्मृति मंधाना ने 63 गेंदों में 17 चौके और पांच छक्के लगाते हुए 125 रनों की पारी खेली।

बहला फुसला कर धर्मान्तरण कराने वालों पर कठोर कार्यवाही होगी - भजनलाल

बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित सभास्थल के निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने जनसभा की

बांसवाड़ा, (निसं), 20 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शहर के कुशलबाग मैदान में शहरी सेवा शिविर के अवलोकन के दौरान आमजन को संबोधित किया। भजनलाल शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने धर्मान्तरण विधेयक पारित कर दिया है, जिससे बहला फुसलाकर धर्मान्तरण कराने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जा सके। इससे पूर्व शर्मा ने शिविर में

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टीबी मरीजों को किट बांटे, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधी योजना व मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लाभार्थियों को चैक सौंपे तथा मंगला पशु बीमा योजना के लाभार्थियों को बीमा पॉलिसी दी।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को बांसवाड़ा के कुशलबाग मैदान में "शहरी सेवा" शिविर को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने लाभार्थियों से संवाद किया और विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर योजनाओं की जानकारी भी ली।

लगी स्टालों का अवलोकन किया।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान को विकास की महत्वपूर्ण सौगातें दी हैं, जिनसे बांसवाड़ा-डूंगरपुर सहित संपूर्ण आदिवासी क्षेत्र में गरीब कल्याण एवं विकास की योजनाओं के माध्यम से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं और उनका जीवन स्तर भी बेहतर बन रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत, शिविरों में माताओं-बहनों की ब्लडप्रेशर, डायबिटीज और कैंसर सहित एनीमिया, टीबी और सिकल सेल जैसी बीमारियों की जांच भी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने शहरी सेवा शिविर के लाभार्थियों से संवाद कर विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर योजनाओं की जानकारी भी ली।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत, टीबी मरीजों के परिजनों को निक्षय पोषण किट वितरित की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लाभार्थियों को चैक भी सौंपे। साथ ही मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के लाभार्थियों को बीमा पॉलिसी तथा खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र सौंपे।

मुख्यमंत्री, स्टॉलों के अवलोकन के दौरान, जब अधिकारियों से बातचीत कर रहे थे तो हाथों-हाथ लोगों ने फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित करते हुए मुख्यमंत्री से वार्ता के लिये बधाईयां दी। पूर्व राज्यमंत्री धनसिंह रावत ने अपने उद्‌बोधन की शुरूआत में धर्मान्तरण विधेयक के लिये मुख्यमंत्री का आभार जताया वहीं उन्होंने नीमच-प्रतापगढ़ हाईवे को बांसवाड़ा होते हुए दाहोद से जोड़ने, शहीदी मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिलवाने, दानपुर क्षेत्र को सिंचित करने के लिये लिफ्ट योजनाएं बनवाने एवं स्थानीय लोगों को प्रशासनिक सेवाओं में अवसर दिलवाने के लिये कोटे में कोटा को लागू करवाने का आग्रह किया।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के प्रावधानों को पूरी तरह से लागू करने के लिए कदम उठाए। वहीं, मुख्य सचिव भी एक्ट के प्रावधानुसार हर जिला स्तर पर प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त करें। यह अधिकारी कलेक्टर या अपर कलेक्टर स्तर के हो सकते हैं। यह अफसर एक्ट की धारा 6 के प्रावधानों को लागू कराएंगे। खंडपीठ ने कहा कि हर जिले में उठाए गए कदमों की पालना रिपोर्ट आगामी सुनवाई 12 नवंबर से पहले अदालत में पेश की जाए। इसके अलावा, केन्द्र सरकार के अधिवक्ता भी एक रिपोर्ट पेश कर बताएंगे कि उन्होंने क्या कदम उठाए और कितनी वेबसाइटों को ब्लॉक किया है। सुनवाई के दौरान एडि. एसपी सीमा भारती ने कहा कि ई-सिगरेट को जब्त करने के लिए कुछ कदम उठाए गये हैं और केन्द्र सरकार की ओर से भी वेबसाइटों को ब्लॉक किया जा रहा है। इस पर खंडपीठ ने कहा कि ई-सिगरेट पर पूरी तरह से पाबंदी के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाई जानी चाहिए। पीआईएल में ई-सिगरेट पर पूरी तरह से पाबंदी लगाए जाने और एक्ट 2019 के प्रावधानों को लागू करने की गुहार की गई है।

समुद्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंजीनियरिंग की ऐतिहासिक उपलब्धि 4.8 किलोमीटर लंबे सुरंग खंड पर हासिल की गई है। इससे जुड़े इंजीनियरों के अनुसार घनसोली और शिलफाटा की ओर से एक साथ खुदाई का काम शुरु किया गया और दोनों तरफ से पानी के नीचे के हिस्से के भू भाग पर सुरंग का चुनौतीपूर्ण निर्माण किया जिसमें भारतीय इंजीनियरिंग को आज सफलता मिली है। रेलवे ने इस सफलता को ऐतिहासिक बताया और कहा कि भारत में समुद्र के नीचे सुरंग का यह पहला निर्माण है जो खाड़ी के अवरोध को तोड़कर मुंबई और ठाणे को जोड़ेगी।

'मुस्लिम अगर खर्च नहीं उठा सकते तो ज्यादा शादियां भी नहीं कर सकते'

केरल हाई कोर्ट ने एक मुस्लिम महिला की भरण पोषण याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की

- **महिला का पति नेत्रहीन है और भीख मांगता है उसने दो शादियां कर रखी हैं और तीसरी शादी करने की धमकी दे रहा है।**
- **कोर्ट ने कुरान की आयतों का हवाला दिया कि कोई व्यक्ति अगर अपनी एक से ज्यादा पत्नियों के साथ न्याय कर सकता है तभी एक से ज्यादा शादियां कर सकता है।**

तिरुअनंतपुरम, 20 सितंबर। केरल हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि यदि कोई मुस्लिम पुरुष अपनी पत्नी का भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है तो उसे दूसरी या तीसरी शादी करने का कोई हक नहीं है, यहां तक कि, मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत भी।

कोर्ट ने ये टिप्पणी 39 साल की महिला की याचिका पर सुनवाई को दौरान की, जब उसने कोर्ट में अपने पति से 10 हजार रुपए मासिक गुजारा भत्ता मांगने के लिए याचिका दायर की, जो कि भीख मांगकर गुजारा करता है। महिला ने आरोप लगाया कि उसका 46 वर्षीय नेत्रहीन पति, जो भीख मांगकर अपना जीवन यापन करता है, उसे छोड़कर पहली पत्नी के साथ रह रहा है और अब तीसरी शादी करने की धमकी दे रहा है।

कोर्ट ने कहा कि यह सच है कि प्रतिवादी मुस्लिम समुदाय से है और वह अपने पारंपरिक कानून का लाभ उठा रहा है, जो, उसके अनुसार, उसे दो या तीन बार शादी करने की अनुमति देता है। जो व्यक्ति दूसरी या तीसरी पत्नी का भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है, वह मुसलमानों के पारंपरिक कानून के अनुसार भी दोबारा शादी नहीं कर सकता।

अदालत ने आगे कहा कि उस व्यक्ति की लगातार शादियां, जब वह केवल एक भिखारी था, मुस्लिम प्रथागत कानून के तहत भी स्वीकार नहीं की जा सकतीं।

अदालत ने कहा, "मुस्लिम समुदाय में इस तरह की शादियां शिक्षा की कमी और मुसलमानों के प्रथागत कानून की जानकारी के अभाव के कारण होती हैं। कोई भी अदालत किसी मुस्लिम व्यक्ति की पहली, दूसरी या तीसरी शादी को तब मान्यता नहीं दे सकती, जब वह अपनी पत्नियों का भरण-पोषण करने में असमर्थ हो और उसकी पत्नियों में से एक ने भरण-पोषण की मांग वाली याचिका दायर की हो।" कुरान की आयतों का हवाला देते हुए, अदालत ने कहा कि यह पवित्र ग्रंथ एक विवाह प्रथा का प्रचार करता है और बहुविवाह को केवल एक अपवाद मानता है। अदालत ने कहा, "अगर कोई मुस्लिम पुरुष अपनी पहली पत्नी, दूसरी पत्नी, तीसरी पत्नी और चौथी पत्नी को न्याय दे सकता है, तो एक से ज्यादा बार शादी करना जायज़ है।"

सुनवाई के दौरान, कोर्ट की अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, अधिकांश मुसलमान एक पत्नी व्रत का पालन करते हैं, जो कुरान की सच्ची भावना को दर्शाता है, जबकि केवल एक छोटा तबका ही बहुविवाह करता है, और कुरान की आयतों को भूल जाता है। अदालत ने कहा कि उन्हें धार्मिक नेताओं और समाज द्वारा शिक्षित किया जाना चाहिए।

अदालत ने निर्देश दिया कि उचित कार्रवाई के लिए उसके आदेश की एक प्रति समाज कल्याण विभाग के सचिव को दी जाए। "विभाग को प्रतिवादी को परामर्श प्रदान करना चाहिए, जिसमें धार्मिक नेताओं सहित, सक्षम परामर्शदाताओं की सहायता ली जाए।"

'विश्व में हमारा एक ही शत्रु है, वह है दूसरे देशों पर निर्भरता'

प्रधानमंत्री मोदी ने भावनगर में एक सभा में कांग्रेस सरकारों पर आरोप लगाया कि वो आज़ादी के बाद देश की औद्योगिक व व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ा नहीं पाईं

- **प्र.मंत्री ने कहा, पहले तो कांग्रेस सरकारों ने लाइसैंस राज में उलझाया, जिसने देश को दशकों तक अंतर्राष्ट्रीय बाजार से दूर कर दिया और फिर उदारीकरण के दौर में आयात पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता रखी गई।**
- **प्रधानमंत्री ने कहा, दूसरों पर निर्भर रहने से आत्म सम्मान आहत होता है। सौ दुःखों की एक दवा है, आत्म निर्भरता।**

नई दिल्ली, 20 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को गुजरात के भावनगर पहुंचे। यहां पीएम मोदी ने 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया और 34,200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्‌घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद पीएम मोदी एक जनसभा को संबोधित किया और कहा, भारत आज विश्वबंधुत्व की भावना से आगे बढ़ रहा है। दुनिया में हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। सच्चे अर्थ में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है, दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता...। यही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है और हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना ही होगा।

जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता... उतनी ज्यादा देश की विफलता। विश्व में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए... दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। 140 करोड़ देशवासियों के भविष्य को हम दूसरों पर या उनकी निर्भरता पर नहीं छोड़ सकते। भावी पीढ़ी के भविष्य को दांव पर नहीं लगाया जा सकता है। सौ दुखों की एक ही दवा है और वह है आत्मनिर्भर भारत, इसलिए हमें चुनौतियों से टकराना होगा और भारत को आत्मनिर्भर बनकर दुनिया के सामने खड़ा होना होगा।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है, लेकिन आज़ादी के बाद कांग्रेस ने भारत के हर सामर्थ्य को नजरअंदाज किया, इसलिए आजादी के 6-7 दशकों बाद भी भारत वो सफलता हासिल नहीं कर पाया, जिसके हम हकदार थे। इसके दो बड़े कारण रहे- लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में उलझाए रखा, दुनिया के बाजार से अलग-थलग रखा। कांग्रेस सरकार की नीतियों ने देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 2047 तक हमें विकसित होना है तो भारत को आत्मनिर्भर होना ही होगा... इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। 140 करोड़ देशवासियों का एक ही संकल्प होना चाहिए- चिप हो या शिप..., हमें भारत में ही बनाने होंगे। इसी सोच के साथ आज भारत समुद्री क्षेत्र में भी नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म करने जा रहा है। इसी सोच के साथ वन नेशन, वन डॉक्यूमेंट और वन नेशन, वन पोर्ट प्रोसेस लागू किया जाना है। भारत को सबसे बड़ी समुद्री शक्ति बनाने के लिए तीन बड़ी योजनाओं पर काम चल रहा है और आने वाले वर्षों में इस पर 70 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। देश के समुद्री क्षेत्र को मजबूती देने के लिए एक बहुत ऐतिहासिक निर्णय हुआ है... अब सरकार ने बड़े जहाजों को इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में मान्यता दे दी है।

अलविदा मिग-21, 26 सितम्बर को होगी विदाई

नयी दिल्ली, 20 सितम्बर। छह दशक से भी लंबे समय तक भारत की हवाई सीमाओं के प्रहरी रहे और 1965 की लड़ाई से लेकर अभी तक के सभी छोटे-बड़े सैन्य अभियानों में शौर्य और पराक्रम की गाथा लिखने वाले मिग-21 यानी मिकोयान-गुरेविच-21 लड़ाकू विमान को आगामी 26 सितम्बर को वायु सेना अलविदा कहने जा रही है। पिछले दशक तक भारतीय वायु सेना की रीढ और उसके लड़ाकू विमान के बेड़े की

- **भारतीय वायुसेना ने एक्स पर जानकारी दी कि चंडीगढ़ एयरबेस से मिग-21 की विदाई होगी**

शान रहा यह विमान सैन्य विमानन के क्षेत्र में शौर्य और पराक्रम की छह दशक से भी लंबी ऐसी विरासत छोड़ जायेगा जिसे भूला पाना नामुमकिन होगा। मिग-21 ने अपनी ताकत, फुर्ती और सटीक हमलों से भारतीय वायु सेना की मारक क्षमता और उसकी शक्ति को नया आयाम दिया।

वायु सेना ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में मिग-21 विमान लड़ाकू विमान को आगामी 26 सितम्बर को अपने बेड़े से विदा करने का ऐलान किया। वायु सेना ने कहा है कि इस लड़ाकू विमान ने अपनी ताकत और पराक्रम से राष्ट्र के गौरव को आसमान तक पहुंचाया।

ट्रंप का एच-1बी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अध्ययनों द्वारा असमर्थित लगेगा, तो इसे रद्द किया जा सकता है। साथ ही, कांग्रेस भी यह दावा कर सकती है कि इतनी व्यापक नीति में बदलाव कार्यपालिका की शक्तियों के दायरे से बाहर है। व्यवसाय जगत ने इस निर्णय को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। तकनीकी दिग्गज और विदेशी इंजीनियरों पर निर्भर अमेरिकी कंपनियाँ चेतावनी दे रही हैं कि यह कदम नवाचार को बाधित करेगा, संचालन को विदेशों में ले जाएगा और अमेरिका की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त को कमज़ोर करेगा।

भारत, जो एच-1बी वीज़ा धारकों का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखता है, इस निर्णय से सबसे अधिक प्रभावित होगा। भारत के आईटी सेवा और आउटसोर्सिंग क्षेत्र को अब भारी लागत का सामना करना पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। अतीत में, वीज़ा शुल्क में कोई भी बदलाव हमेशा दस्तावेज़ी प्रशासनिक खर्चों से जुड़ा रहा है, न कि किसी दंडात्मक मूल्य निर्धारण से। जब तक ट्रंप प्रशासन विश्वसनीय तरीके से यह साबित नहीं करता कि यह 100,000 डॉलर शुल्क वास्तव में वीज़ा आवेदन की जाँच की लागत को दर्शाता है, तब तक अदालतों द्वारा इसे अधिकारों का दुरुपयोग माने जाने की संभावना है।

फिलहाल, इस घोषणा से अमेरिकी आव्रजन नीति (इमिग्रेशन पॉलिसी) में भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है। अमेरिकी कंपनियों और हजारों उन विदेशी पेशेवरों के लिए, जो एच-1बी कार्यक्रम को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में प्रवेश का मार्ग मानते हैं, यह एक बड़ा झटका है।

चपरासी भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

झाझरिया (25) निवासी खंडेला जिला सीकर है और जो मुरलीपुरा जयपुर इलाके की आईएएस कॉलोनी में परिवार के साथ रहता है। उसने बीटेक (इंजीनियरिंग) कर रखी है। राजस्थान चतुर्थ श्रेणी भर्ती परीक्षा में उसका अशोक नगर स्थित महात्मा गांधी सरकारी स्कूल में परीक्षा सेंटर आया था। वह तमाम सुरक्षा इंतजाम को चकमा देकर सेंटर के भीतर डिवाइस ले जाने में कामयाब रहा।

थानाधिकारी ने बताया कि पहली पारी में परीक्षा देने पहुंचा आरोपी रवि अंडरगारमेंट में स्मार्ट वॉच छिपाकर ले गया। परीक्षा के दौरान सुबह करीब 10:30 बजे उसने स्मार्ट वॉच के कैमरे से प्रश्न पत्र की फोटो खींचकर वॉट्सऐप के जरिए सेंटर से बाहर भेजी। उसकी संदिग्ध हरकतों को देखकर परीक्षा हॉल में मौजूद केन्द्र अधीक्षक को शक हुआ। बार-बार पूछने के बावजूद, अभ्यर्थी किसी भी डिवाइस के होने से इनकार करता रहा। लेकिन जब केन्द्र पर मौजूद पुलिस और केन्द्र अधीक्षक ने पूछताछ की तो आरोपी घबरा गया। इसके बाद जब अभ्यर्थी रवि कुमार झाझड़िया की तलाशी ली गई तो अंडरगारमेंट में स्मार्ट वॉच मिली। शुरुआती पूछताछ में अभ्यर्थी का कहना है कि उसने सोचा कि गूगल पर कठिन सवाल डालकर, उसके उत्तर हासिल कर लेगा। लेकिन उसे इसका मौका नहीं मिला। जांच में साफ हो गया कि उसने प्रश्नपत्र बाहर भेजा है। पुलिस ने आरोपी रवि को तुरंत राउंड-अप कर स्मार्टवॉच और वाट्सएप पर भेजे पेपर के बारे में पता कर उसके घर पर मिले मोबाइल को भी जब्त कर किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई और साथ ही उसका मेडिकल टेस्ट भी कराया जाएगा।

अभिनेता मोहनलाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शनिवार को बताया कि दादा साहब फाल्के पुरस्कार चयन समिति की सिफारिश पर मोहनलाल को यह पुरस्कार दिया जायेगा। उन्हें यह सम्मान मंगलवार को 71वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जायेगा। मोहनलाल ने अपने साढ़े चार दशक के सिने करियर में 350 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। वह सिर्फ मलयालम ही नहीं बल्कि तमिल, तेलुगू और हिंदी फिल्मों में भी अपनी अदाकारी का जादू बिखेर चुके हैं। उन्हें पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और पद्म भूषण जैसे सम्मानों से भी नवाजा गया है। भारतीय सेना भी उन्हें ऑनरेरी लेफ्टिनेंट कर्नल का पद देकर सम्मानित कर चुकी है, जो किसी भी अभिनेता के लिए गौरव की बात है।

मोहनलाल ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1980 में फिल्म मंजिल विरिंजा पूक्कल से की थी। यह फिल्म भले ही एक रोमांटिक ड्रामा थी, लेकिन मोहनलाल ने इसमें विलेन की भूमिका निभायी थी। उनके अभिनय को इस कदर सराहा गया कि उन्हें लगातार निगेटिव रोल मिलने लगे, लेकिन एक सच्चा कलाकार कभी एक ही फ्रेम में नहीं बंधता।कुछ सालों के भीतर उन्होंने अपने किरदारों की विविधता दिखाते हुए कॉमेडी, ड्रामा और एक्शन जैसी शैलियों में खुद को साबित किया।

ईडी को मो. सादिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संदिग्ध है। हालांकि, उसके पास कोई वैध और पर्याप्त व्यक्तिगत आय नहीं पाई गई, फिर भी उसने पिछले कुछ सालों में बांग्लादेश, ईरान, ओमान, नेपाल, कतर आदि कई देशों की कई बार यात्राएं कीं और इन देशों में लंबे समय तक रहा। तलाशी के दौरान बांग्लादेश में एक एनजीओ को वित्तीय सहायता देने के साक्ष्य भी बरामद किए गए हैं। ईडी के अधिकारियों ने बताया है कि 3 जनवरी 2022 को कोटगेट थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। ईडी को सादिक के खिलाफ डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथी और भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने में सादिक की संलिप्तता पाई गई है। इसमें इज़रायली झंडे को जलाने के वीडियो भी शामिल हैं। इसके पीछे उसका उद्देश्य सहानुभूति प्राप्त कर अवैध गतिविधियों के लिए धन जुटाना था।

जयपुर सेंट्रल जेल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिफ्ट में इन प्रहरियों की अलग-अलग प्वॉइंट्स पर ड्यूटी थी। परंतु गश्त के दौरान हुई लापरवाही का फायदा उठाकर दोनों कैदी जेल से भाग निकले थे। पुलिस महानिदेशक जेल (डीजी) गोविंद गुप्ता ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) जेल विक्रम सिंह को उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। जेल विभाग के आला अधिकारी पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। पुलिस जानकारी में सामने आया कि बंदी अनस चोरी के अलावा घर में घुसपैठ के तीन मामलों में सजा काट रहा था और वहीं नवल किशोर चोरी के 7 मामलों में आरोपी है। उस पर अन्य कैदियों के साथ मिलकर साजिश करने का आरोप भी है। यह घटना दिखाती है कि दोनों बदमाशों ने सेंट्रल जेल से भागने की पूरी साजिश पहले से ही रच रखी थी। जेल के अंदर सुरक्षा-बैरिकेड्स और उन पर तैनात जेल प्रहरियों को चकमा देते हुए पानी का पाइप चुराया। इसके बाद इस पाइप की मदद से 27 फीट ऊंची दीवार फांदकर और हाईटेंशन बिजली के तारों से बच कर निकल भागे।

दिल्ली के कई स्कूलों को फिर बम की धमकी

नयी दिल्ली, 20 सितंबर। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार सुबह फिर एक बार फिर कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी सुबह करीब साढ़े नौ बजे फोन कॉल्स और संदेशों के माध्यम से मिली, जिसके तुरंत बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि धमकी पाने वाले स्कूलों में डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल, सर्वोदय विद्यालय और सर्वोदय को-एड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुतुब मीनार (महरौली) शामिल हैं। कुछ रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि नजफगढ़ इलाके के स्कूलों को भी धमकी की कॉल प्राप्त हुईं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड और स्वान दस्ता मौके पर पहुंच गई।

ट्रंप ने भारतीय प्रोफैशनल्स पर सर्विस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर प्रभावित हो सकते हैं।

यह ताज़ा झटका ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए कुल 50 प्रतिशत भेदभावपूर्ण टैरिफ के बाद आया है। डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत का मनमाना "रैसिप्रोकल टैरिफ" लगाया था और बाद में भारत द्वारा रूसी कच्चा तेल और ऊर्जा उत्पादों का निरंतर आयात करने पर 25 प्रतिशत का एक और टैरिफ लगा दिया है।

हालाँकि, डॉनल्ड ट्रंप की हिम्मत नहीं हुई, रूसी कच्चा तेल आयात करने पर चीन पर ऐसा ही टैरिफ लगाने की। वास्तव में, चीन द्वारा रूसी तेल का आयात, भारतीय आयात से कहीं अधिक है।

भारत के प्रति भेदभाव को और स्पष्ट करने के लिए, ट्रंप ने रूसी कच्चे तेल और ऊर्जा उत्पादों के आयात के लिए अपने यूरोपीय सहयोगियों की आलोचना की है, लेकिन उन पर सैकैण्डरी सैंक्शन लगाने का साहस नहीं दिखाया है। इसके बजाय, उन्होंने यूरोपीय देशों से भारत और चीन पर हायर सैकैण्डरी टैरिफ लगाने के लिए जोर डाला है।

असल में ट्रम्प के ऐसे निरंकुश और मनमाने फैसले यह दर्शाते हैं कि ट्रम्प के शासन में अमेरिका के साथ किसी समझौते की उम्मीद करना मूर्खतापूर्ण है और बेहतर है कि समय बीतने का इंतज़ार किया जाए।

लेकिन सबसे पहले, इस नए कदम का सीधा असर उन भारतीय कंपनियों पर पड़ेगा, जिनके पास बड़ी अमेरिकी कंपनियों के साथ कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर से लेकर ऑपरेशनल सेवाओं के बड़े कॉन्ट्रैक्ट हैं। यह सर्वविदित है कि एच-1बी वीज़ा का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा भारतीय प्रोफेशनल्स को ही मिलता रहा है, जो अमेरिकी कंपनियों और भारतीय सेवा प्रदाताओं, दोनों के लिए काम करते हैं।

इन नई शर्तों के कारण भारतीय सेवा कंपनियों, मुख्यतः टी.सी.एस., विप्रो, टैक महिन्द्रा, इन्फोसिस और कई अन्य कंपनियों को तुरंत अपने कामकाज को भारत में वापस लाने की ज़रुरत पड़ेगी। इसके अलावा, कई अमेरिकी टैक्नॉलजी दिग्गजों को भी भारत में अपने ऑपरेशन्स को बढ़ाना होगा, जहाँ उनका काम भारत और अन्य देशों के प्रोफैशनल कर रहे हैं।

असल में यह नया नियम अमेरिका को दी जाने वाली भारत की सेवाओं पर सीधा टैक्स है। अब तक इस पर टैक्स लगाने की चर्चा तो होती रही थी, लेकिन सीधे कर नहीं लगाया गया था। अब, जबकि अमेरिका ने अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा कर दिया है तो भारत को भी अमेरिकी सेवाओं के भारतीय आयात पर कर लगाना चाहिए।

अब समय आ गया है कि भारत चुप नहीं बैठे, बल्कि अमेरिका से आने वाले महंगे आयात, जैसे विमान, पर शुल्क लगाए और विमान जैसे बेहद महंगे आयातों को प्रतिद्वंद्वी स्त्रोतों से आयात करने से भी दूर रहे। इस प्रकार, बोइंग विमानों के बजाय, भारतीय एयरलाइन ऑपरेटरों को बोइंग के यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी, यानी एयरबस इंडस्ट्रीज, की ओर रुख करने के लिए कहा जाना चाहिए।

दूसरी ओर, इस कदम को भारत के आईटी क्षेत्र और ज्ञान आधारित गतिविधियों के स्थायी पुनर्गठन के संकेत के रूप में लिया जाना चाहिए। विदेशों में काम करने की कोशिश करने के बजाय, भारतीयों को देश में ही काम करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

अमेरिका में काम करने वाले प्रौफेशनल्स के रास्ते में आने वाली कठिनाइयों को, देश में इन प्रतिभाओं को आकर्षित करने के एक अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। इस उद्देश्य के लिए, उच्च तकनीक और ज्ञान आधारित उद्योगों के लिए जरूरी ढांचा और माहौल देश के अंदर जल्द से जल्द तैयार करना होगा, ताकि ये प्रतिभाएं यहीं काम कर सकें। एक तरह से, यह होना ही है, क्योंकि अमेरिका से विस्थापित पेशेवरों को कुछ फलदायी और संतोषजनक नौकरियों और अवसरों की तलाश करनी होगी। ये लोग भारत में इनोवेशन बेस्ड इण्डस्ट्रीज के विकास और वृद्धि के लिए जरूरी, नई ऊर्जा और जोश लेकर आएंगे।

इस देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों और संस्थानों के प्रतिभाशाली छात्र, जो अब तक अमेरिका जाते रहे हैं, उन्हें अपने जीवन पर पुनर्विचार करना होगा और सोचना होगा कि वे अपनी धरती पर ही अपने करियर को कैसे आगे बढ़ा सकते हैं। दूसरी ओर, सरकार को इन प्रतिभाशाली युवाओं को अपने देश में ही बेहतर, फलने-फूलने के लिए उपयुक्त वातावरण और सुविधाएँ प्रदान करनी होंगी।

इसका दूसरा असर यह होना चाहिए कि भारत ग्लोबल इनोवेशन हब के रूप में उभरे। वर्ल्ड इन्टलैक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गनाइज़ेशन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा तैयार एक सूचकांक के अनुसार, भारत पहले से ही नवाचार के लिए चिह्नित देशों में से एक है। इसे और आगे बढ़ाने और विकसित करने के लिए, आवश्यक सुविधाएँ और वातावरण तैयार करना होगा।

लेकिन इस नए शुल्क का सबसे बड़ा व्यक्तिगत झटका उन भारतीय कामगारों को लगेगा, जो वर्षों से अमेरिका में काम कर रहे हैं और वहीं बस चुके है, भले ही वे अमेरिकी नागरिक न बने हों। उनकी पूरी जिंदगी उखड़ जाएगी और उन्हें दोबारा अन्यत्र बसना पड़ेगा।

बंगाल में उद्योग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कम्युनिस्ट मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने राज्य के औद्योगिक पुनरुद्धार के लिए की थी। लेकिन तृणमूल कांग्रेस के शासन में भी स्थिति बदली नहीं। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के अनुसार, 2011 से 2025 के बीच 6600 कंपनियां, जिनमें से 110 सूचीबद्ध कंपनियां थीं, राज्य छोड़ चुकी हैं।

इस स्थिति को और जटिल बना दिया है कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और अवैध घुसपैठ की बढ़ती समस्या ने। हज़ारों मज़दूर, जो अपनी नौकरियाँ खो चुके हैं, आज सरकारी सहायता पर निर्भर हैं।

ऐसे संकट में सरकार से आक्रामक औद्योगिक प्रोत्साहन नीति की उम्मीद थी, पर उद्योगों को मिला विश्वासघात। आर्थिक सिद्धांत कहता है कि प्रोत्साहन योजनाएं बाजार की विफलताओं के समय आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक होती हैं – विशेष रूप से तब, जब श्रम समस्याएं, सामाजिक अशांति और कानून-व्यवस्था की चुनौतियाँ सामने हों, जैसा कि पश्चिम बंगाल में स्पष्ट रूप से हो रहा है।

केन्स के आर्थिक सिद्धांत के अनुसार, मंदी के समय सरकार को सक्रिय हस्तक्षेप करना चाहिए। यही विचारधारा ग्रेट डिप्रेशन के समय कारगर साबित हुई थी और 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट में पुनः सुर्खियों में आई। वर्तमान समय में, जब राज्य की अर्थव्यवस्था पर अंधेरे, बादल मंडरा रहे हैं, तब पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रोत्साहन देने की बजाय, प्रोत्साहन हटा दिए, यह न केवल अजीब निर्णय है, बल्कि आत्मघाती भी।

एक अध्ययन में यह पाया गया कि जिन कंपनियों को सब्सिडी मिली थी, वे 61.3 प्रतिशत अधिक प्रोडक्टिव थीं। इससे यह साबित होता है कि औद्योगिक प्रोत्साहन नीतियाँ वास्तव में दीर्घकालिक लाभ देती हैं। अमेरिका में भी, राज्य और स्थानीय सरकार हर साल 30 बिलियन डॉलर्स व्यवसायिक टैक्स प्रोत्साहनों पर खर्च करती हैं। यह राजकोषीय गुणक की तरह काम करता है, सरकार द्वारा दिए गए एक रुपये से, दो रुपये से अधिक का लाभ होता है।

भारत सरकार भी निवेश आकर्षित करने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना चला रही है, जिसकी कुल लागत 1.97 लाख करोड़ है। इस योजना के तहत अभी तक 1.76 लाख करोड़ का निवेश साकार हुआ है और बड़े पैमाने की इलेक्ट्रॉनिक्स में विदेशी पूँजी निवेश में 254 प्रतिशत वृद्धि हुई है। जहाँ केन्द्र सरकार विदेशी पूँजी निवेश और औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिए आक्रामक प्रयास कर रही है, वहाँ पश्चिम बंगाल सरकार, भारत की विकास यात्रा में बाधाएं खड़ी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908